खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 22 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-139

हमज़ा हलाक

एके-47 की सुरक्षा में भी नहीं बच पाया पुलवामा पापी

नयी दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक आतंकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। नाम था हमजा बुरहान। यह वही शख्स था जिसने 2019 के जम्मू-कश्मीर के पुलवामा हमले में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें 40 भारतीय सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। लेकिन आईएसआई ने इसे एक स्कूल के प्रिंसिपल की आड़ में छुपाया हुआ था, एके-47 वाले गार्ड लगाए थे। इतनी सुरक्षा के बावजूद यह बच नहीं पाया।

हमजा बुरहान का असली नाम अरजुमंद गुलजार डार था। उसे डॉक्टर के कोड नेम से भी जाना जाता था। वह पुलवामा जिले के खरबटपोरा, रत्निपोरा का रहने वाला था। उम्र सिर्फ 27 साल। देखने में एक आम कश्मीरी नौजवान। लेकिन असल में पाकिस्तान से चलने वाले खतरनाक आतंकी संगठन अल बद्र का कमांडर था। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में पैदा हुआ। यहीं पला-बढ़ा। फिर किसी वक्त पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तान जाकर आतंकी संगठन अल बद्र में शामिल हो गया। यह संगठन भारत में बैन है और इसे आतंकी संगठन घोषित किया जा चुका है। धीरे-धीरे अल बद्र का कमांडर बन गया। पाकिस्तान से बैठकर जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं करवाता था। प्रिंसिपल का मुखौटा बनाकर आईएसआई ने उसे छुपाया। आईएसआई ने हमजा को पीओके में एक स्कूल का प्रिंसिपल बनाकर रखा। बाहर से देखने पर वह एक साधारण शिक्षक लगता था। लेकिन इसी आड़ में वह आतंकी ऑपरेशन चलाता रहता था। आईएसआई ने उसकी सुरक्षा के लिए एके-47 से लैस गार्ड तैनात किए हुए थे। इससे साफ पता चलता है कि पाकिस्तान इसे कितना जरूरी मानता था।

2019 के पुलवामा आतंकी हमले में इसका हाथ था, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। विस्फोटक बरामदगी: पुलवामा में इसके नेटवर्क से जुड़े लोगों के पास से विस्फोटक बरामद हुए थे। पुलवामा में सीआरपीएफ के जवानों पर ग्रेनेड हमला करवाने में भी इसका हाथ था। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को बहला-फुसलाकर अल बद्र में शामिल करवाता था।

इतनी सुरक्षा के बावजूद पीओके में अज्ञात हमलावरों ने हमजा बुरहान को गोली मारकर मार डाला। अभी तक यह साफ नहीं है कि हमलावर कौन थे।

14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ काफिले पर आत्मघाती आतंकवादी हमला हुआ था, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे। जैश-ए-मोहम्मद ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसके बाद भारत ने बालाकोट एयर स्ट्राइक कर आतंकियों के ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की। पुलवामा हमला आज भी देश की सबसे दर्दनाक घटनाओं में गिना जाता है। यह हमला 1989 के बाद कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हुआ सबसे बड़ा आतंकी हमला माना गया। घटना के बाद पूरे देश में शोक और गुस्से का माहौल था। हर तरफ शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

बहन को फेसबुक से मिली मौत की खबर

पुलवामा हमले के कथित मास्टरमाइंड हमजा बुरहान की मौत के बाद उसके परिवार से जुड़ा एक बयान सामने आया है, जिसने मामले को और चर्चा में ला दिया है। हमजा की बड़ी बहन ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी सोशल मीडिया और फेसबुक पर न्यूज देखने के बाद मिली। उन्होंने बताया कि अचानक उन्हें खबर दिखी कि उनका भाई हमले में मारा गया है।

हमजा बुरहान की बहन ने अपने बयान में कहा कि उन्हें पहले किसी तरह की पक्की जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि परिवार को बाद में फोन पर भी जानकारी दी गई कि ऐसी घटना हुई है। बहन के अनुसार उन्हें इस बात पर अभी भी पूरी तरह विश्वास नहीं हो पा रहा है कि हमजा बुरहान अब इस दुनिया में नहीं रहा। बयान में बहन ने यह भी कहा कि हमजा अक्सर परिवार से यही कहता था कि वह पाकिस्तान पढ़ाई के लिए गया है। लेकिन बाद में वह गलत रास्ते पर चला गया और संपर्क भी टूटता चला गया। उन्होंने कहा कि परिवार को यह नहीं पता था कि वह किन गतिविधियों में शामिल हो गया है।

मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने की हत्या

इस बीच सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार हमजा बुरहान की पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। उस पर कई राउंड फायरिंग की गई,

मोदी कैबिनेट की महाबैठक

2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

नयी दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार शाम अपने सभी मंत्रियों के साथ एक बड़ी बैठक की। यह बैठक करीब साढ़े चार घंटे तक चली। इसमें देश की तरक्की से जुड़े कई बड़े मुद्दों पर बात हुई, मंत्रालयों का काम देखा गया और आगे की रणनीति तय की गई। यह बैठक शाम 5 बजे सेवा तीर्थ में शुरू हुई और साढ़े चार घंटे तक चली। इसमें केंद्र सरकार के सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री और बाकी राज्यमंत्री भी शामिल हुए। यह इस साल की पहली पूरी कैबिनेट बैठक थी। साथ ही यह उस वक्त हुई जब मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे होने वाले हैं।

सूत्रों के मुताबिक यह बैठक सरकार का एक तरह का मिड-टर्म रिव्यू था। अलग-अलग मंत्रालयों ने क्या किया, पिछले कुछ महीनों में कौन से बड़े फैसले लिए गए, उनका नतीजा क्या रहा और आगे क्या करना है, यह सब पर चर्चा की गई। 9 मंत्रालयों ने अपना-अपना काम बैठक में पेश किया। सबसे पहले कॉमर्स मंत्रालय ने प्रेजेंटेशन दी। इसके बाद पेट्रोलियम, गृह मंत्रालय, वित्त और विदेश मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालयों के काम का भी रिव्यू हुआ। मंत्रालयों से पहले ही कहा गया था कि वे अपने सुधारों को चार हिस्सों में बांटकर बताएं। पहला, कानून में बदलाव। दूसरा, नियमों में बदलाव। तीसरा, नीति में बदलाव। और चौथा, काम करने के तरीके में बदलाव। साथ ही यह भी बताना था कि इन बदलावों का आम लोगों पर क्या असर पड़ा।

पीएम मोदी ने मंत्रियों को साफ निर्देश दिए कि 2047 को ध्यान में रखकर काम करें। यानी भारत को 2047 तक एक विकसित देश बनाने का जो लक्ष्य है, उसे हमेशा सामने रखें। उन्होंने ईज ऑफ लिविंग यानी आम लोगों की जिंदगी को आसान बनाने पर और सुधारों पर जोर दिया। बड़ी सरकारी योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर फोकस रहा कि काम ठीक से हो रहा है या नहीं और मंत्रालयों के बीच तालमेल कैसा है।

पश्चिम एशिया संकट पर हुई गंभीर चर्चा

इस समय मिडिल ईस्ट यानी पश्चिम एशिया में जो तनाव चल रहा है, उसका असर भारत की इकोनॉमी पर भी पड़ रहा है। बैठक में इस मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को कहा कि ऐसे कदम उठाए जाएं जिससे इस संकट की वजह से आम नागरिकों को कम से कम परेशानी हो। खासतौर पर एनर्जी, खेती, खाद, एविएशन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे सेक्टरों पर खास ध्यान दिया गया। पहले से ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई में मंत्रियों का एक ताकतवर अनौपचारिक समूह इस मिडिल ईस्ट संकट पर नजर रख रहा है। हालांकि राजनाथ सिंह गुरुवार की बैठक में नहीं थे, क्योंकि वे साउथ कोरिया के दौरे पर हैं। इसी तरह स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी जिनेवा में होने के चलते बैठक में नहीं आ सके।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बैठक में पीएम मोदी की हाल की पांच देशों की विदेश यात्रा के बारे में सभी मंत्रियों को जानकारी दी। इस दौरे में क्या हासिल हुआ और आगे के लिए क्या रास्ता बना, यह सब बताया गया। ▶8 पर

भोजशाला फैसला

मुस्लिम पक्ष अब सुप्रीम द्वारे

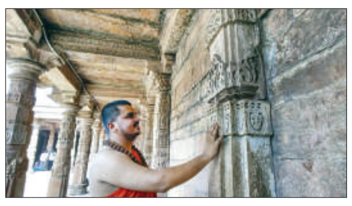

धार/नयी दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

धार भोजशाला मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के निर्णय को अब सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। मुस्लिम पक्ष की ओर से काजी मोइनुद्दीन ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इंतजामिया कमेटी कमाल मौला मस्जिद और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी हाईकोर्ट में इस मामले में पक्षकार और पैरवीकार थे। हाईकोर्ट ने इस परिसर को देवी सरस्वती यानी वाग्देवी का मंदिर घोषित करते हुए मुस्लिम समुदाय को जुमे की साप्ताहिक नमाज पढ़ने की अनुमति रद्द कर दी थी।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने अपने ऐतिहासिक फैसले में भोजशाला परिसर में स्थित कमाल मौला मस्जिद परिसर को पूरी तरह से देवी सरस्वती का मंदिर माना था। कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के 2003 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को हर शुक्रवार को नमाज पढ़ने की छूट दी गई थी। इसके साथ ही मुस्लिम पक्ष को मस्जिद के लिए अलग से जमीन तलाशने का सुझाव दिया गया था। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उनका आरोप है कि यह फैसला पुरातात्विक साक्ष्यों और उपासना स्थल ▶8 पर

...अल्लाह को प्यारी नहीं कुर्बानी!

बकरीद पर कोर्ट का झटका

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)।

बकरीद आने वाली है। 27 या 28 मई को यह त्योहार मनाया जाएगा। लेकिन पश्चिम बंगाल में इस बार जानवरों की कुर्बानी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। टीएमसी की सांसद माहुआ मोइत्रा समेत कई लोग कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे। मांग थी कि गाय-भैंस की कुर्बानी की इजाजत दी जाए। कोर्ट ने गुरुवार को यह मामला सुना और एक बड़ा फैसला सुनाया।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और पार्टी विधायक अखरुज्जमान ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इन्होंने पशु वध अधिनियम की धारा 12 के तहत छूट मांगी, यानी सिर्फ इस साल बकरीद के लिए खास रियायत दी जाए। महुआ मोइत्रा ने कोर्ट के बाहर कहा कि यह सिर्फ मुस्लिम समुदाय का मुद्दा नहीं है। कई हिंदू व्यापारी भी बकरीद पर जानवर बेचकर अपना घर चलाते हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ भैंस या बैल की कुर्बानी की इजाजत मांग रहे हैं, गाय की नहीं। याचिकाकर्ताओं के वकील शादान फरासत ने कोर्ट में दलील दी कि यह कानून धार्मिक कुर्बानी के खिलाफ है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भले ही गाय पर रोक लगाई हो, लेकिन भैंस, बैल और बछड़ों पर ऐसी कोई रोक नहीं है।गुरुवार यानी 21 मई को कलकत्ता हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें चीफ जस्टिस सुजॉय पाल और जस्टिस पार्था सारथी सेन शामिल थे, ने सभी पक्षों को सुना और फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने तीन बड़ी बातें कहीं। पहली बात ˉ कोर्ट ने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक किसी भी खुली या सार्वजनिक जगह पर गाय और भैंस समेत किसी भी जानवर को काटना पूरी तरह मना है। दूसरी बात ˉ कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले का हवाला दिया। 1975 में मोहम्मद हनीफ कुरैशी बनाम बिहार सरकार केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बकरीद पर गाय की कुर्बानी इस्लाम में जरूरी धार्मिक प्रथा नहीं है। तीसरी बात ˉ कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 24 घंटे के अंदर यह तय करे कि क्या पशु वध अधिनियम 1950 की धारा 12 के तहत कोई छूट दी जा सकती है या नहीं।कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को कोई तत्काल राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि पशु वध अधिनियम 1950 एक 76 साल पुराना कानून है। जब तक इसे असंवैधानिक घोषित न किया जाए, इसकी वैधता बनी रहती है। इसलिए अभी कोई अंतरिम राहत नहीं दी जा सकती। साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि वह यह जांचे कि कुर्बानी के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, यानी बंद जगहें और सर्टिफिकेट देने की व्यवस्था, मौजूद है या नहीं। याचिकाकर्ता के वकील शमीम अहमद ने कोर्ट में दावा किया कि यह कानून पंचायत इलाकों में ठीक से लागू ही नहीं हुआ है। यानी गांव-देहात में दशकों से यह कानून नजरअंदाज होता रहा है।

फलता में 88% वोट, 24 को नतीजे

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर गुरुवार शाम 6 बजे पुनर्मतदान खत्म हो गया। इस बार वोटर्स में अच्छा उत्साह देखने को मिला। चुनाव आयोग के फाइनल आंकड़ों के मुताबिक, शाम 6 बजे तक यहां 88.13 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से ही पोलिंग बूथों पर लंबी लाइनें दिखीं, जो शाम तक बनी रहीं। अब सभी उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद हो चुकी है। इस सीट के नतीजे 24 मई को घोषित किए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों में से 293 सीटों के नतीजे पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। इन नतीजों में बीजेपी को सबसे ज्यादा 207 सीटें मिली हैं, जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के खाते में 80 सीटें गई हैं और बाकी सीटें अन्य के हिस्से आई हैं। अब पूरे बंगाल में सिर्फ एक आखिरी सीट बची है फलता। इसी फलता सीट पर दोबारा कराया गया मतदान गुरुवार शाम 6 बजे पूरी तरह खत्म हो गया। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

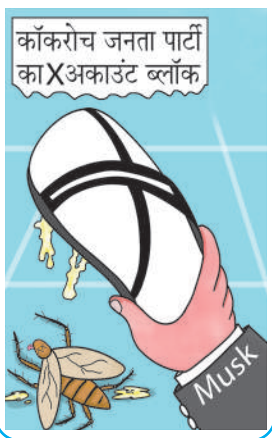

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 41°
न्यूनतम : 29°

सीजेपी पार्टी तो बना ली, लेकिन

'कॉकरोच' ढूँढ़ते रह जाओगे

नयी दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी नाम की एक पार्टी सिर्फ 5 दिन पहले ऑनलाइन बनाई गई। इसे अभिजीत दिपके नाम के एक शख्स ने बनाया है, जो अमेरिका के बोस्टन शहर से इसे चला रहे हैं। यह पार्टी अपने मजेदार और सरकार-विरोधी अंदाज की वजह से सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर इसने बीजेपी को पीछे छोड़ दिया, जो कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। तृणमूल कांग्रेस के दो सांसद भी इसमें शामिल हो गए हैं, हालांकि यह सब सोशल मीडिया पर ही हुआ है। सीजेपी का एक्स अकाउंट भारत में गुरुवार को बंद कर दिया गया। अब सवाल उठा है कि अगर यह पार्टी कभी सच में चुनाव लड़ना चाहे, तो क्या उसे कॉकरोच का चुनाव चिह्न मिलेगा?

और क्या उसे मोबाइल फोन का चिह्न मिलेगा, जिसकी उसने मांग की है?

इसे समझने के लिए भारत में चुनाव चिह्न के नियम जानने होंगे। भारत में चुनाव चिह्न भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) तय करती है। चिह्न दो तरह के होते हैं। एक होते हैं आरक्षित प्रतीक जो बड़ी और मान्यता-प्राप्त पार्टियों को मिलते हैं, जैसे बीजेपी का कमल और आप का झाड़ू। दूसरे होते हैं मुफ्त प्रतीक जो नई और छोटी पार्टियों और निर्दलीय उम्मीदवारों को दिए जाते हैं। इनकी एक लंबी सूची है जिसमें 100 से ज्यादा चिह्न हैं, जैसे ताला-चाबी, एयर कंडीशनर, लैपटॉप, शतरंज का बोर्ड, सीसीटीवी कैमरा, नेल कटर वगैरह। सीजेपी को पहले ईसीआई में पार्टी के तौर पर रजिस्टर करवाना होगा, जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की सेक्शन 29 ए के तहत होता है। ▶8 पर

राज्यसभा की 22 सीटों पर अगले महीने चुनाव

नयी दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)।

अगले महीने राज्यसभा की खाली हो रही 22 सीटों पर चुनाव होने हैं। प्रमुख नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कूरियन और रवनीत सिंह बिट्टू सहित कई नाम हैं, जिनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है। चुनाव आयोग इसको लेकर जल्द ही अधिसूचना जारी करेगा।

कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गुजरात से चार-चार सीटें खाली हो रही हैं। राजस्थान और मध्य प्रदेश से तीन-तीन सीटें खाली होने जा रही हैं। वहीं मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और झारखंड से एक-एक सीट खाली होगी। इनके अलावा झारखंड, तमिलनाडु और महाराष्ट्र से एक-एक सीट पर उपचुनाव भी हो सकता है। इन 22 रिटायर होने वाले सांसदों में 11 बीजेपी के हैं, जबकि कांग्रेस के चार सांसद हैं। बाकी सांसद क्षेत्रीय दलों के हैं, जिनमें वाईएसआरसीपी के तीन और जेडीएस, टीडीपी तथा एनपीपी के एक-एक सांसद हैं।

केंद्रीय मंत्रियों पर तलवार लटकी!

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण और रेलवे राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है। इसी तरह अल्पसंख्यक मामलों ▶8 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अमेरिका में इबोला का खौफ, एयर फ्रांस की डेट्राइट फ़्लाइट को कांगो के यात्री की वजह से कनाडा डायवर्ट किया

वाशिंगटन

अमेरिका में इबोला को लेकर खौफ साफ-साफ नजर आने लगा है। इस वजह से पेरिस से बुधवार को डेट्राइट (मिशिगन) जा रही एयर फ्रांस की एक उड़ान (फ्लाइट) को मान्ट्रियल (कनाडा) की ओर मोड़ना पड़ा। दरअसल इस उड़ान में इबोला के प्रकोप से जुड़ी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन न होने से सनसनी फैल गई। इस उड़ान के यात्रियों में से एक के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक आफ कांगो का होने की भनक लगते ही सबके हाथ-पांव फूल गए। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा सीबीपी) के एक प्रवक्ता ने कहा कि इसमें एयर फ्रांस की गलती है। एयर फ्रांस ने उस यात्री को गलती से अमेरिका जाने वाले अपने विमान में बैठा लिया था। उन्होंने कहा कि इबोला वायरस के जोखिम को कम करने के लिए उड़ानों के लिए प्रतिबंध लागू किए गए हैं। इनके अनुसार उस यात्री को विमान में सवार नहीं होना चाहिए था। इस वजह से उड़ान को डेट्राइट मेट्रोपालिटन वेन काउंटी एयरपोर्ट पर उतरने से रोक दिया गया। इसके बाद उड़ान को कनाडा के मान्ट्रियल की ओर मोड़ दिया गया। सीबीपी प्रवक्ता यह नहीं बता पाए कि वह व्यक्ति आखिरी बार कांगो में कब था। और क्या उसमें इबोला वायरस के लक्षण दिखाई दे रहे थे। फ़्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के अनुसार, पेरिस-चार्ल्स डी गाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चली एयर फ्रांस की फ़्लाइट 378 मान्ट्रियल ट्रूडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शाम 5:15 बजे (पूर्वी समय) पर उतरी। कांगो से आए उस यात्री की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। यह भी साफ नहीं था कि बाकी यात्रियों को लेकर यह फ़्लाइट आगे डेट्राइट जाएगी या नहीं। संघीय अधिकारियों ने सोमवार को घोषणा की थी कि जिन लोगों के पास अमेरिका का पासपोर्ट नहीं है और जिन्होंने पिछले तीन हफ्तों में कांगो, युगांडा या दक्षिण सूडान की यात्रा की है, उन्हें देश में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा। डिपार्टमेंट आफ होमलैंड सिक्योरिटी ने पुष्टि की कि गुरुवार से यह प्रतिबंध सभी उड़ानों पर लागू होंगे। ऐसी सभी उड़ानों को वर्जीनिया स्थित वाशिंगटन-डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ही उतरना होगा। यहां पर सभी यात्रियों की जांच होगी। पूर्वी कांगो में फैले इबोला के प्रकोप की पुष्टि 15 मई को अफ्रीका सेंटर्स फार डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने की थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने बुधवार को कहा कि अब तक इबोला के कम से कम 600 संदिग्ध मामले सामने आए हैं।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के सांसद ने खोला सरकार के खिलाफ मोर्चा

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद डा. अमरेश कुमार सिंह ने अपनी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद सिंह ने सरकार गठन के डेढ़ महीने के भीतर ही प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की नेतृत्व शैली पर सवाल उठाए हैं। वह दो दिन पहले प्रतिनिधि सभा में वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की कार्यशैली पर भी प्रश्न उठा चुके हैं। सांसद अमरेश सिंह ने पत्रकारों से कहा नेपाल पाकिस्तान के माडल वाले लोकतंत्र की दिशा में बढ़ रहा है। संसद को दरकिनार करने की प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की शैली की ओर इशारा करते हुए उन्होंने पाकिस्तान के लोकतांत्रिक माडल का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, जिस तरह व्यापारियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी किए हिरासत में लिया जाता है और अगले ही दिन छोड़ दिया जाता है उससे नेपाल टेरर स्टेट के रूप में जाना जाने लगा है। सिंह ने कहा कि नेपाल को पुलिस स्टेट नहीं डेमोक्रेटिक स्टेट बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में लोकतंत्र कभी स्थिर नहीं हो पाया, न है और न ही होगा, क्योंकि वहां संसद को कभी मजबूत नहीं बनने दिया गया। उन्होंने यह संकेत भी दिया कि मौजूदा सरकार अपना पूरा कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी।

तीस्ता और पद्म नदी पर बैराज बनाएगा बांग्लादेश, चीन ने कर दी फंडिंग, भारत की बढ़ेगी चिंता

ढाका। बांग्लादेश ने देश में जल संकट को सुलझाने और कृषि को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाते हुए तीस्ता और पद्मा नदी पर बहुप्रतीक्षित बैराज परियोजनाओं के निर्माण का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री और बीएनपी चेयरमैन तारिक रहमान ने ढाका के पास गाजीपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी सरकार इन दोनों मेगा प्रोजेक्ट्स पर जल्द ही काम शुरू करेगी। प्रधानमंत्री तारिक रहमान जून के अंत में चीन के दौरे पर जाने वाले हैं, जहां इस बैराज परियोजना की फंडिंग को लेकर बीजिंग के साथ विस्तार से बातचीत होने की उम्मीद है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने हाल ही में बीजिंग में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात कर इस करीब 1 अरब डालर के मेगा प्रोजेक्ट के लिए औपचारिक रूप से मदद मांगी है। बांग्लादेश अपनी इस परियोजना को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत आगे बढ़ाना चाहता है। देश के जल संकट का जिक्र करते हुए बांग्लादेशी पीएम ने कहा कि सूखे के मौसम में देश को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता है। उन्होंने दावा किया कि भारत के फरक्का बैराज के कारण बांग्लादेश के दक्षिणी क्षेत्र में समुद्र का खारा पानी घुस रहा है, जिससे सुंदरबन के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि मानसून के अतिरिक्त पानी को जमा करने के लिए बांग्लादेश को यह बैराज बनाना ही होगा ताकि सूखे के मौसम में किसानों को पानी मिल सके। गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में हुई गंगा जल बंटवारा संधि की मियाद इसी साल दिसंबर (2026) में खत्म हो रही है, जिसे रिन्यू करने के लिए बातचीत चल रही है।

नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ समिति ने शुरू की जांच

काठमांडू। नेपाल के पूर्व गृहमंत्री सुदन गुरूंग के खिलाफ जांच के लिए गठित समिति ने विभिन्न कार्यालयों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। इस जांच समिति की पहली बैठक में पहले दस्तावेज और जानकारी एकत्र करने तथा उसके बाद गुरूंग से पूछताछ कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया है। समिति ने शेयर बोर्ड, जमीन खरीद से जुड़े मामले के लिए मालपोत कार्यालय और अस्वाभाविक लेनदेन से जुड़े आरोप के लिए बैंकों को पत्र भेजकर विवरण मांगा है। समिति आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों को भी पत्र भेज सकती है। मंत्री बनने के बाद संपत्ति विवरण सार्वजनिक होने के साथ ही गुरूंग विवादों में घिर गए थे। शुरुआत में उनके पास कानूनी सीमा से अधिक जमीन होने का खुलासा हुआ। हाल के दिनों में असामान्य तरीके से संपत्ति बढ़ाने के आरोपों से जुड़े विवरण भी सार्वजनिक हुए हैं। जेल में बंद विवादित व्यवसायी दीपक भट्ट से जुड़ी कंपनी में संस्थापक शेयरधारक पाए जाने के बाद गुरूंग ने इस्तीफा दे दिया था। भट्ट को पुलिस के केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो ने गिरफ्तार कर जांच शुरू कर रखी है। पुलिस जांच के दायरे में आए व्यक्ति के साथ गृहमंत्री के संबंध सामने आने के बाद सार्वजनिक रूप से सवाल उठे थे।

ईरान ने कहा हम – आत्मसमर्पण नहीं करेगें अमेरिका बोला– अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई होगी

तेहरान/वाशिंगटन

जलडमरूमध्य और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने कहा है कि वह अमेरिका के सामने आत्मसमर्पण नहीं करेगा। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने बुधवार कहा कि हर ईरानी की युद्ध के लिए इच्छाशक्ति मजबूत है। ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा है कि अगर अमेरिकी शर्तें ईरान नहीं मानता तो उसे अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार, स्पीकर गालिबफ ने ईरान की अर्ध सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम के एक रिकार्डेड संबोधन में कहा, हम पूरी इच्छाशक्ति के युद्ध के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की खुली और छुपी हुई गतिविधियों से साफ है कि उसने आर्थिक और राजनीतिक दबाव के साथ-साथ अपने सैन्य लक्ष्यों को नहीं छोड़ा है। वह कभी भी हमला करने का दुस्साहस कर सकता है। गालिबफ ने देशवासियों से कहा कि जवाब देने के लिए तैयार रहें। ईरानी सशस्त्र बलों ने संघर्ष विराम की अवधि का सर्वोत्तम उपयोग अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाने में किया है।

गालिबफ ने संबोधन में बढ़ते आर्थिक दबावों और जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों को स्वीकार किया। उन्होंने आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए नई संसदीय निगरानी व्यवस्था बनाने की घोषणा की। गालिबफ ने आखिर में मौजूदा दौर को राष्ट्रीय सहनशक्ति की व्यापक परीक्षा के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, हम इच्छाशक्ति के युद्ध में हैं। जो कोई भी यह युद्ध जीतेगा, वही ईरान का इतिहास लिखेगा और उसका भविष्य तय करेगा।

इस पर व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ आफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को गतिरोध के संबंध में कड़ी चेतावनी जारी की। मिलर ने कहा कि ईरान के पास अभी भी संतोषजनक समझौता करने का विकल्प है। अगर ईरान ऐसा नहीं करता तो उसे अमेरिका सेना की ऐसी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, जो आधुनिक इतिहास में पहले कभी नहीं हुई।

ईरान में हालिया गठित फारसी खाड़ी जलडमरूमध्य प्राधिकरण ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य का नक्शा एक्स पर जारी किया है। इसमें दावा किया गया है कि एक रेखा जलडमरूमध्य के पूर्व में ईरान के कुह मुबारक और संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा के दक्षिण को जोड़ती है, वह ईरान नियंत्रित जल क्षेत्र है। साथ ही दूसरी रेखा पश्चिम में ईरान के केश्म द्वीप के छोर और उम अल-क़ैवेन को जोड़ती है। यह क्षेत्र भी ईरान का है। पोस्ट में कहा गया है कि यहां से गुजरने वाले जहाजों को प्राधिकरण से समन्वय करने के साथ अनुमति भी लेनी होगी। ईरानी शासन ने प्राधिकरण को शिपिंग कंपनियों से शुल्क इकट्ठा करने के लिए अधिकृत किया है।

इस पूरे घटनाक्रम के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रही बातचीत में ईरान के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें देरी ईरान के लिए घात होगी। ट्रंप ने बुधवार दोपहर जाइंट बेस एंड्रूज में पत्रकारों से कहा, इसलिए इंतजार कर रहा हूं कि लोगों की जान बच सके। अगर सही जवाब नहीं मिलता तो स्थितियां तेजी से बदलेंगी।

अमेरिका सेंट्रल कमांड ने बुधवार को कहा कि ईरानी बंदरगाहों की सैन्य निगरानी जारी है। यूएस मरीन ने ईरानी झंडे वाले टैंकर पर चढ़कर तलाशी ली। इस टैंकर पर नाकेबंदी का उल्लंघन करने की कोशिश करने का शक था। यह टैंकर एक ईरानी बंदरगाह की ओर जा रहा था। बाद में चालक दल को रास्ता बदलने का निर्देश देते हुए टैंकर को छोड़ दिया गया। कमांड ने कहा कि नाकाबंदी का पालन सुनिश्चित करने के लिए 91 कमर्शियल जहाजों को मार्ग बदलना पड़ा है।

बीजिंग ईरान को हथियार सप्लाई नहीं कर रहा

चीन भी क्षेत्र में शांति चाहता है, उसकी तेल जरूरतें मिडिल ईस्ट पर निर्भर

वाशिंगटन

चीन दौरे से लौटने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार तरह-तरह के दावे कर रहे हैं। ऐसा ही एक दावे में उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि बीजिंग ईरान को हथियार सप्लाई नहीं कर रहा है। ट्रंप ने यह बयान ऐसे समय में दिया है, जब अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए लगातार कूटनीतिक कोशिशों में जुटा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस में बन रहे नए बालरूम के निर्माण स्थल के दौरे के दौरान ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच जिनपिंग ने उन्हें आश्वासन दिया है। ट्रंप ने कहा कि जिनपिंग ने मुझसे वादा किया है कि वह ईरान को कोई हथियार नहीं भेज रहे हैं। यह बहुत अच्छा वादा है और मैं उनकी बात पर भरोसा करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि हाल की मुलाकातों में उनके और जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध बने हैं। ट्रंप बोले, हमने चीन में बहुत अच्छा समय बिताया। इस दौरान ट्रंप ने ईरान की सैन्य ताकत और मिडिल ईस्ट की सुरक्षा स्थिति पर भी बात की। उन्होंने होर्मुज और खाड़ी देशों से जुड़े मुद्दों का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि चीन भी इस क्षेत्र में शांति चाहता है, क्योंकि उसकी बड़ी तेल जरूरतें मिडिल ईस्ट पर निर्भर हैं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ईरान पिछले कई दशकों से समुद्री रास्तों का इस्तेमाल दबाव बनाने के लिए करता रहा है। यह सिर्फ ईरान का रास्ता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। ट्रंप ने बताया कि सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे देश ईरान से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका के साथ मिलकर बातचीत कर रहे हैं। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य ताकत को काफी नुकसान पहुंचा है। हमारे अनुमान के मुताबिक ईरान की 82 फीसदी मिसाइलें खत्म हो चुकी हैं।

उसकी नौसेना और वायुसेना पूरी तरह तबाह हो चुकी हैं। हालांकि उन्होंने माना कि ईरान के पास अभी थोड़ी जवाबी क्षमता बची है, लेकिन उसकी दोबारा सैन्य तैयारी करने की ताकत कमजोर हो गई है। ट्रंप ने कहा कि हमने उनके ज्यादातर निर्माण केंद्रों को निशाना बनाया है, इसलिए उनकी नई सैन्य क्षमता तैयार करने की ताकत बहुत कम रह गई है।

ट्रंप ने यह भी बताया कि अमेरिका अतिरिक्त सैन्य कार्रवाई करने के काफी करीब था, लेकिन क्षेत्रीय सहयोगी देशों ने कूटनीति के लिए समय देने की अपील की।

थाईलैंड का 93 देशों पर चाबुक

बैंकाक। थाईलैंड ने 93 देशों के पर्यटकों के लिए अपनी वीजा-मुक्त प्रवेश नीति में बड़ा बदलाव किया है, इससे भारतीय सहित कई देशों के यात्रियों को अब कम समय के लिए ही थाईलैंड में रुकने की अनुमति मिलेगी। यह निर्णय बैंकाक में कैबिनेट की मंजूरी के बाद लिया गया, जिसमें 60-दिन की वीजा छूट को वापस लेने का फैसला हुआ है। यह छूट जुलाई 2024 में महामारी के बाद अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जिसमें अमेरिका, इजरायल, दक्षिण अमेरिका और यूरोप के शेंगेन ज़ोन जैसे क्षेत्र शामिल थे। नई व्यवस्था के तहत, सरकार अब एक स्तरीय प्रणाली पर लौटेगी, जहां अधिकांश देशों के लिए वीजा-मुक्त प्रवास सीमा 30 दिन की जाएगी, जबकि कुछ देशों के नागरिकों के लिए यह अवधि घटाकर 15 दिन कर दी जाएगी। थाईलैंड सरकार के प्रवक्ता रचादा धनादिरेक ने कहा कि मौजूदा 60-दिन की योजना का कई लोगों द्वारा गलत फायदा उठाया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्यटन थाईलैंड की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन सुरक्षा चिंताओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। थाई अधिकारियों ने स्वीकार किया कि 60-दिन की छूट ने अनजाने में कुछ कमियां पैदा कर दी थीं, जिससे अवैध ग्रे-मार्केट कारोबार, बिना अनुमति के काम करने वाले विदेशी मजदूरों और आनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई।

भारत की दो टूक कहा–अपनों पर बम बरसाने वाले ज्ञान न दें

जिनेवा

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर कड़ी फटकार लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वतनेनी ने एक बहस के दौरान पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाए जाने पर करारा जवाब दिया। भारत ने दोटूक शब्दों में कहा कि जिस देश का खुद का इतिहास नरसंहार और क्रूरता के काले कारनामों से भरा हुआ है, उसका भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करना एक भद्दा मजाक है।

भारतीय प्रतिनिधि ने पाकिस्तान के हालिया क्रूर कृत्यों का कच्चा चिट्ठा खोलते हुए अफगानिस्तान पर किए गए हवाई हमलों का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया। उन्होंने वैश्विक समुदाय को याद दिलाया कि इसी साल मार्च में पवित्र रमजान के महीने में, पाकिस्तान ने काबुल के ओमिद नशामुक्ति उपचार अस्पताल पर बर्बर हवाई हमला किया था। संयुक्त राष्ट्र मिशन के आंकड़ों के मुताबिक, इस भीषण हमले में 269 मासूम नागरिकों की जान चली गई थी और 122 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। यह हमला उस वक्त अंजाम दिया गया जब लोग नमाज अदा करने के बाद मस्जिद से बाहर आ रहे थे। भारत ने कहा कि पाकिस्तान अंधेरे का फायदा उठाकर मासूम नागरिकों को निशाना बनाता है और फिर अंतरराष्ट्रीय कानून का पाखंड रचता है। इसके साथ ही, भारत ने पाकिस्तान सेना द्वारा अपने ही नागरिकों पर ढाए गए ऐतिहासिक जुल्मों को भी उजागर किया। भारतीय राजदूत ने 1971 की बर्बरता का जिक्र करते हुए कहा कि यह वही पाकिस्तान है जिसने आपरेशन सर्चलाइट के दौरान अपनी ही जनता पर अमानवीय अत्याचार किए। जो देश अपने ही लोगों पर बम बरसाता आया हो और जिसने लाखों लोगों का कत्लेआम किया हो, उसके मुंह से मानवाधिकारों की बात शोभा नहीं देती। पाकिस्तानी हमलों की वजह से अब तक 94,000 से अधिक अफगान नागरिक विस्थापित हो चुके हैं। भारत ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान पिछले कई दशकों से अपनी आंतरिक नाकामियों से अपनी जनता का ध्यान भटकाने के लिए सीमाओं के अंदर और बाहर आतंकवाद तथा हिंसा का सहारा लेता आया है। भारत ने अंत में दृढ़ता से कहा कि जिस देश के पास न कोई विश्वसनीयता है, न कानून की गरिमा और न ही कोई नैतिकता, उसकी इस खोखली बयानबाजी और प्रोपेगैंडा को अब पूरी दुनिया अच्छी तरह समझ चुकी है।

ईरानी तेल टैंकर की हेलीकाप्टर से घेरकर ली तलाशी, ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना की बड़ी कार्रवाई

वाशिंगटन

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में एक बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए ईरानी ध्वज वाले एक तेल टैंकर की घेराबंदी की और उस पर चढ़कर सघन तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह तेल टैंकर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी का खुलेआम उल्लंघन करते हुए एक ईरानी बंदरगाह की तरफ तेजी से आगे बढ़ रहा था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस सैन्य आपरेशन की जानकारी देते हुए बताया कि मरीन एक्सपीडेशनरी यूनिट के जांबाज मरीन कमांडो ने सेलेशियल सी नाम के इस तेल टैंकर को बीच समुद्र में रोका। करीब 120 मीटर लंबे इस विशालकाय वाणिज्यिक जहाज पर हेलीकाप्टर की मदद से अमेरिकी सैनिक उतरे और पूरे जहाज का कोना-कोना खंगाला।

विस्तृत जांच और तलाशी अभियान पूरा होने के बाद जहाज को तो छोड़ दिया गया, लेकिन अमेरिकी सेना ने उसके चालक दल (क्रू) को तुरंत अपना समुद्री रास्ता बदलने का सख्त आदेश जारी किया। अमेरिका का साफ कहना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रैट) और उसके आसपास के संवेदनशील समुद्री इलाकों में ईरान से जुड़े संदिग्ध जहाजों पर बेहद कड़ी नजर रख रहा है। सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सुरक्षा कारणों से अब तक 91 कमर्शियल जहाजों का रास्ता बदला जा चुका है। अमेरिकी नौसेना की यह बड़ी कार्रवाई ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने खाड़ी देशों के विशेष अनुरोध के बाद ईरान पर नए सैन्य हमले की योजना को फिलहाल टाल दिया है और बातचीत का रास्ता खुला रखा है। दूसरी तरफ, ईरान भी झुकने को तैयार नहीं है।

इस बीच, तेहरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जहाजों के लिए एक नया मल्टी-लेयर क्लियरेंस सिस्टम लागू करना शुरू कर दिया है, जिसमें विशेष अनुमति और फीस का प्रावधान है। हालांकि, अमेरिका ने दुनिया भर की शिपिंग कंपनियों को ईरान के इस नियंत्रण को स्वीकार न करने की चेतावनी दी है। ज्ञात हो कि होर्मुज स्ट्रेट दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण तेल सप्लाई लाइनों में से एक है, जहां से वैश्विक बाजार का करीब 20 प्रतिशत तेल और गैस गुजरता है। इस ताजा टकराव के कारण फारस की खाड़ी में करीब 90 देशों के 1500 से अधिक जहाज फंसे हुए हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और गैस की कीमतों पर भारी दबाव बढ़ गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज ईष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता–पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन–देन सुलझ सकता हैं । छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं । आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे । आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा आय के स्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं. सामाजिक कार्य के कारण आप तारीफ के पात्र होंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है । मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे–धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मुश्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं । जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पार्टनर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन–देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी . आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च–निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर–परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आपको सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 मई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रात: 06:27 तक
नक्षत्र : आश्लेषा रात्रि 02:09 तक
योग : वृद्धि प्रात: 08:18 तक
करण : तैतिल प्रात: 06:17 तक
चन्द्रराशि : कर्क रात्रि 02:09 तक
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के तत्वावधान में बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ।

समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 21 मई से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाले इस महायज्ञ के उपलक्ष्य में प्रातः 108 कलशों की भव्य यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाओं ने एक समान रंग की साड़ी धारण कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ कलश लेकर शोभायात्रा में भाग लिया।

108 कलशों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

कलश यात्रा का आयोजन कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता के नेतृत्व में किया गया। इसमें श्री जगन्नाथ सेवा समिति के पदाधिकारी, पूर्ण यज्ञ के संयोजक, विभिन्न व्यवस्थाओं के संयोजक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शोभायात्रा के पश्चात सभी कलशों को विधिवत यज्ञशाला में स्थापित किया गया। प्रथम दिवस के यज्ञ में मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा–अर्चना कर महायज्ञ का शुभारंभ किया।

विभिन्न परिवारों ने यज्ञ में निभाई यजमान की भूमिका

महायज्ञ में विभिन्न अग्रवाल एवं बंसल परिवारों ने यजमान के रूप में भाग लिया। इनमें गुलाब चंद जी अग्रवाल–सुनीता अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल–खुशबू अग्रवाल, दीपक कुमार बंसल–कोमल बंसल, रत्नेश अग्रवाल–मीना अग्रवाल, आयुष अग्रवाल–रुचि अग्रवाल, पवन अग्रवाल–रेखा अग्रवाल तथा तेजस संघी–साक्षी संघी प्रमुख रहे। समारोह में मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता, समिति अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल एवं महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री गुलाब चंद अग्रवाल एवं सुशील केडिया, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल एवं सुरेश कुमार अग्रवाल, यज्ञ स्थल संयोजक माणक गुप्ता, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल, भोजन संयोजक संदीप गुप्ता तथा परामर्शदाता सुरेंद्र कुमार गोयल, गोविंद प्रसाद गुप्ता, महेश कुमार दिल्लीवाले एवं नारायण लाल बाहेती सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आरती के बाद यजमान परिवारों का हुआ सम्मान

महायज्ञ में विट्ठलदास अग्रवाल, सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, सुरेश सिंघल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल डाकोतिया, महेंद्र कुमार डाकोतिया, पवन गुप्ता, शिवाशंकर गुप्ता, लोकेश गुप्ता, अंकित गुप्ता, योगेश गुप्ता, जय गुप्ता, अजय गुप्ता, निखिल गुप्ता, शिवेक गुप्ता, प्रथम गुप्ता, प्रवीण डाकोतिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महिलाओं में श्रीमती संतोष गुप्ता, संगीता गुप्ता, शीतल गुप्ता, सुनीता गुप्ता, शिल्पा गुप्ता, भाविका गुप्ता, साँची गुप्ता, प्रतिष्ठा गुप्ता, साक्षी गुप्ता, राशि गुप्ता, माया अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, आरती अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, सरिता डाकोतिया, संगीता डाकोतिया, रीता डाकोतिया, पूनम डाकोतिया, शिल्पा डाकोतिया, कविता डाकोतिया, प्रेमा बाहेती एवं बबीता कोठारी सहित अनेक भक्तगण शामिल हुए।

आरती के पश्चात यज्ञ में भाग लेने वाले सभी यजमान परिवारों एवं उनके परिजनों का सम्मान किया गया। समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकरलाल अग्रवाल ने सभी सनातन प्रेमियों से महायज्ञ के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया।

एक शाम गौ माता के नाम : लव फॉर काव फाउंडेशन की अनूठी पहल

हैदराबाद में संपन्न हुआ देश का पहला अनोखा कराओके म्यूजिकल इवेंट

हैदराबाद, 19 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काव फाउंडेशन की ओर से 19 मई 2026 की शाम को एक विशेष लाइव म्यूजिकल इवेंट एक शाम गौ माता के नाम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलाइड आर्टिस्ट्स ऑडिटोरियम (एएए) के माध्यम से वर्चुअल और ऑफलाइन दोनों रूपों में किया गया, जिसमें देश–विदेश से बड़ी संख्या में लोग जुड़े। यह अपनी तरह का पूरे देश और विशेष रूप से हैदराबाद का सबसे पहला अनोखा कार्यक्रम रहा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में लव फॉर काव फाउंडेशन के चेयरमैन शजसमतभाई पटेल, ट्रस्टी तरुण मेहता, ददु पटेल और मुकेश चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्टी तरुण मेहता और मुकेश चौहान ने गौ माता के प्रति अपनी गहरी आस्था प्रकट करते हुए विशेष प्रस्तुतियां दीं, जिसने वहां मौजूद सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस संगीत कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत आज के युवाओं की भागीदारी रही। संस्था ने लोगों को गौ–भक्ति और गौ–सेवा के प्रति प्रेरित करने के लिए एक बेहद अनूठा और पहला सफल प्रयोग किया। इस संगीत कार्यक्रम में शहर के कई जाने–माने गायकों और कलाकारों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान गौ माता की महिमा पर आधारित भावुक भजनों, देशभक्ति गीतों और कई पारंपरिक रचनाओं की प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में कलाकारों और युवाओं ने कराओके पर एक फिल्मी गीत, एक भजन, एक देशभक्ति गीत और विशेष रूप से एक गीत गौ माता के सम्मान में प्रस्तुत किया। इन लोकप्रिय फिल्मी धुनों के माध्यम से नई पीढ़ी को गौ–सेवा से जोड़ने का यह अभिनव प्रयास बेहद सफल रहा।

हर एक प्रस्तुति के बाद हॉल में मौजूद श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन और अभिवादन किया। कार्यक्रम में जिन भी कलाकारों ने भजनों और गौ माता की महिमा के गीत गाए, उन सभी को संस्था की ओर से मेमेंटो (स्मृति चिन्ह) देकर सम्मानित किया गया।

इस पूरी शाम ने न केवल संगीत का आनंद बिखेरा, बल्कि समाज में गौ–संरक्षण का एक मजबूत संदेश भी दिया। कार्यक्रम के सफल समापन के बाद वहां उपस्थित सभी अतिथियों, कलाकारों और श्रोताओं ने एक साथ मिलकर आदरपूर्वक भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

अग्रवाल सम्मेलन के 51 वर्षों के इतिहास में दिल्ली में हुआ ऐतिहासिक महासंगम

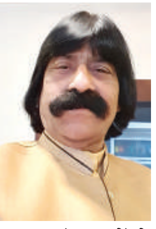

नई दिल्ली, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश की राजधानी के होटल ली–मेरिडियन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन के 51 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका था, जब देश–विदेश से आए हजारों अग्र–बंधुओं और समाज की सभी प्रमुख संस्थाओं के दिग्गजों की उपस्थिति में ऐसा अभूतपूर्व महासंगम देखा गया। मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नवनिर्वाचित राष्ट्रीय टीम को पद की शपथ दिलाई। नई टीम में बसंत कुमार मित्तल (राष्ट्रीय अध्यक्ष), गोपाल गोयल (राष्ट्रीय महामंत्री) और नत्थूराम जैन (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) ने मुख्य कमान संभाली। उनके साथ राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्य भूषण जैन, पूरणमल अग्रवाल, डॉ. राजेंद्र अग्रवाल व कुलभूषण गोयल और राष्ट्रीय उप महामंत्री पद पर प्रेमचंद मंगल, मनोज जिंदल, प्रमोद जैन व अमित अग्रवाल ने शपथ ली। दक्षिण भारत से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पोद्दार ने भी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान समारोह में समाज के विकास में योगदान देने वाले प्रमुख उद्योगपतियों व भामाशाहों ' विनीत लोहिया, नंदकिशोर अग्रवाल, धर्मपाल सिंगला, रामगोपाल धानुका, राजेश गुप्ता, विष्णु अग्रवाल (रांची), विजय गुप्ता, प्रमोद गर्ग, सुरेश गोयल व रामसिसारिया बंधुओं ' को सम्मानित किया गया। साथ ही, विशेष सहयोगी बी.एल. गुप्ता, विनोद गुप्ता, अभीष्ट गोयल, पियूष जैन, पुनीत जैन, गिरीश जैन, निर्मल गोयल, रामावतार अग्रवाल और संजय जैन (अखाड़ा वाले) का भी अभिनंदन हुआ। इस अवसर पर अनुपस्थित रहे मुख्य प्रायोजक एस.एस. अग्रवाल को सम्मानपूर्वक 'चेयरमैन' घोषित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाराजा अग्रसेन जी और सम्मेलन के इतिहास पर आधारित एक शानदार डॉक्यूमेंट्री (चलचित्र) दिखाई गई, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस महाकुंभ में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बनारसी दास गुप्ता के सुपुत्र अजय गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, बालकिशन अग्रवाल, ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, सुरेश बंसल, आईवीएफ अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, श्रीमती मीना गुप्ता और जेवर ग्रुप के घनश्याम गुप्ता सहित देश की तमाम अग्र संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे। विनीत लोहिया व नंदकिशोर अग्रवाल के ओजस्वी संबोधन और बाबा बालकानंद गिरि जी के दिव्य आशीर्वचन के साथ पूरे देश से आए प्रतिनिधियों ने नई टीम का पगड़ी, पटका और मेमेंटो देकर भव्य स्वागत किया।

आरटीओ–डीटीओ से मिले हेमंत किराड़ू, विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बीकानेर, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंटक के नेता हेमंत किराड़ू के नेतृत्व में समीर खान, ज़ाकिर पडिहार और राधा किशन स्वामी ने बुधवार को बीकानेर आरटीओ अनिल पंड्या तथा डीटीओ संजीव कुमार से स्थानीय बीकानेर मुख्यालय में मुलाकात कर विभिन्न जनहित एवं परिवहन संबंधी मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि पहले बीकानेर क्षेत्र अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट (यूआईटी) के अधीन आता था, लेकिन वर्तमान में यह बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडीए) के अधीन संचालित हो रहा है। इसके चलते बीकानेर क्षेत्र का दायरा काफी बढ़ गया है और परिवहन व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ी हैं। हेमंत किराड़ू ने अधिकारियों को बताया कि बढ़ते क्षेत्रफल और यातायात दबाव को देखते हुए परिवहन व्यवस्था में सुधार की तत्काल आवश्यकता है, ताकि आमजन और वाहन चालकों को राहत मिल सके। किराड़ू के अनुसार, आरटीओ अनिल पंड्या ने यूनियन प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि उनकी जायज मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए उचित निर्णय लिए जाएंगे। इस दौरान यूनियन पदाधिकारियों ने परिवहन विभाग से जनहित में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग भी की।

राधे-राधे ग्रुप कर रहा उत्कृष्ट कार्य : अभिनंदन महाराज

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, सेवा एवं समर्पण भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद, निराश्रित एवं असहाय लोगों को भोजन वितरण कर मानवता, करुणा और सामाजिक सेवा का संदेश दिया गया। राधे–राधे ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की उपस्थित लोगों ने मुक्त कंठ से सराहना की।

इस अवसर पर प्रसिद्ध कथा व्यास अभिनंदन जी महाराज का राधे–राधे ग्रुप की ओर से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। सदस्यों ने पुष्पमाला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर एवं अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। वातावरण पूरी तरह भक्ति, सेवा और उत्साह से ओतप्रोत नजर आया।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य केवल धन से नहीं बल्कि सच्चे मन, करुणा और संवेदनशीलता से होते हैं। राधे–राधे ग्रुप के सभी सदस्य जिस समर्पण और आत्मीयता के साथ अन्नदान एवं सामाजिक सेवा के कार्य कर रहे हैं, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। इस सेवा कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल, हरीश तोलाराम हिंदूजा, जयप्रकाश सारड़ा, सजन गुप्ता जी, अरविंद जी एवं मोनिका जी मणिपाल, राजेंद्र रेखा अग्रवाल सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे एवं सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है। सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं।

सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं।

भोले-भंडारी शिव-शंकर अपने भक्तों को हर संकट से उबारते हैं, मुश्किल घडी में उन्हें राह दिखाते हैं। तभी तो देवता भी अपने कष्टों के निवारण के लिए भोले-भंडारी की ही शरण में जाते हैं। महादेव के कई चमत्कारी रूप हैं भगवान शिव सौम्य प्रकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। अन्य देवों से शिव को भिन्न माना गया है।

सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं। शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदिस्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं। शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं। शिव में परस्पर विरोधी भावों का सामंजस्य देखने को मिलता है। सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले यह महादेव भोलेबाबा के नाम से अपने भक्तो में प्रसिद है। यह महातपस्वी महा अघोरी और तंत्र मंत्र के रचियता है। तांत्रिको और अघोरियो के यह परम आराध्य है इन्होने अनेको अवतार जनकल्याण के लिए लिया है।

आपने देखा होगा कि शिव भक्त भोले बाबा को बेलपत्र और भांग धतूरा चढाते हैं। जबकि अन्य देवी देवताओं को मिष्टान और विभिन्न प्रकार के भोग चढाते हैं। इसके बावजूद भी भोले बाबा भांग धतूरा और बेलपत्र चढाने वाले पर मेहरबान हो जाते हैं। और जल से शिव भगवान भोलेनाथ को यह सभी चीजें पसंद क्यों है इसका उत्तर पुरणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल उडलेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंढी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढाया गया।

इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी। बेलपत्र जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पडी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोडकर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान प्राप्त हुआ।

नटराज रूप :

इस रूप में शिवजी नृत्य करते नजर आते है। यह सबसे उत्तम नर्तक और नृत्य के जनक कहलाते है। इनका तांडव नृत्य सबसे प्रमुख है। यह तांडव दोनों रूपों में है एक प्रलयकारी तांडव जो शिव के क्रोधित होने पर किया जाता है। और अन्य सौम्य तांडव जो शिव के प्रसन्न होने पर किया जाता है। रौद्र तांडव शिवजी करने से वो रूद्र कहलाते थे जिससे सृष्टी में महाविनाश आ जाता है।

कैसे दिखाई देते है भोलेनाथ :

जटाधारी शिव एक तपस्वी की तरह दिखते है जो माया धन से परे है। भस्म से अपना श्रंगार करते है। हलाहल विष का पान करने से यह नीलकंठ वाले है। इनकी जटाओ और शरीर पर बहुत से नाग लिपटे हुए है। रुद्राक्ष की माला जटा पर हाथो पर बंधी हई है। त्र्यम्बक शिव इसलिए कहलाते है क्योकि इनके एक तीसरी आँख भी है। इनकी जटाओ में गंगा और शीश पर अर्धचन्द्रमा सुशोभित है। माँ शक्ति के साथ इनका अद्नर्रिश्वर रूप जगत रचियता है।

ऐसा करने से गणेश जी प्रसन्न होकर सारे विघ्नों को दूर करते हैं

जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

सर्वप्रथम गणेशजी की पूजा हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है।

''वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटी समप्रभ। निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ।।''

हे भव्य शरीर, वक्र सूंड, दश लक्ष सूर्यों की चमक वाले गणेशजी, मेरे सारे कर्मों को विघ्नों से हमेशा मुक्त करते रहना। सर्वप्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा तो हर दिन हर घर में की जाती है। सच्चे मन से गणेश की पूजा की जाए तो आपकी हर मनोकामना पूर्ण होगी। बुधवार के दिन इनकी पूजा का विशेष महत्व है। जिसके कारण भगवान गणेश की पूजा करने का सबसे शुभ दिन है। शिव-पार्वती के पुत्र गणेश जी को हम कई नामों से जानते है जैसे कि सुमुख, एकदंत, कपिल, गजकर्ण, लंबोदर, विकट, विघ्ननाशन, विनायक, धूमकेतु, गणाध्यक्ष, भालचंद्र, गजानन। जिन्हे हम कष्टो को हरने वाला मानते है।

ऐसे करें पूजा

बुधवार या विनायक चतुर्थी के दिन ब्रहम मूहुर्त में उठकर सभी कामों से निवृत्त होकर स्नान कर लें। और भगवान की पूजा करें। इसके बाद दोपहर के समय अपनी इच्छा अनुसार सोने, चांदी, तांबे, पीतल या मिट्टी से बनी भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद संकल्प मंत्र पढे और फिर श्री श्रीगणेश की षोडशोपचार (सोलह सामग्रियों से) पूजन-आरती करें। भगवान गणेशजी की मूर्ति पर सिंदूर चढाएं। इसके बाद ऊं गं गणपतयै नम: मंत्र का उच्चारण करते हुए 21 दूर्वा दल चढाएं। और बोग में गुड या बूंदी के 21 लड्डुओं खिलाएं।

इनमें से 5 लड्डू मूर्ति के पास रख दें तथा 5 ब्राहमण को दान कर दें। शेष लड्डू प्रसाद के रूप में बांट दें। इसके बाद पूजा में भगवान श्रीगणेश स्त्रोत, अथर्वशीर्ष, संकटनाशक स्त्रोत आदि का पाठ करें। ब्राहमणों को भोजन कराएं और उन्हें दक्षिणा प्रदान करने के बाद शाम के समय स्वयं भोजन ग्रहण करें। संभव हो तो उपवास करें। इस व्रत का आस्था और श्रद्धा से पालन करने पर भगवान श्रीगणेश की कृपा आप पर बनी रहेगी।

आप जिस काम में हाथ डालोंगे उसमें आपको सफलता जरुर मिलेगी।

गणेशजी सभी विघ्नों को हरने वाले और रिद्धि-सिद्धि के दाता माने जाते हैं। इसलिए संबंधित बाधाएँ और विघ्नों को रोकने के लिए गणेशजी की उपासना की जाती है, ताकि मन संयमित रहे और किसी अनिष्ट कार्य का आचरण न हो। संकट चतुर्थी व्रत करने से आप के जीवन में आए हुए हरेक प्रकार के संकट दूर होते हैं और यदि किसी भी प्रकार का दोषारोपण लगा हो तो दूर होता है। समाज में मान-प्रतिष्ठा मिलती है। आयुष्य और बल में वृद्धि होती है और सर्वत्र आप की कीर्ति फैलती है। जलस्नान कराने से जीवन से दु:ख का नाश होता है और सुख का आगमन होता है। जीवन में विद्या, धन संतान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। सफेद पुष्प अथवा जासुद अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। दुर्वा अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है, आर्थिक उन्नति होती है और संतान का सुख मिलता है। सिंदूर अर्पण करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। धूप अर्पण करने से कीर्ति मिलती है। लड्डू अर्पण करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

यह व्रत सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम कर सौभाग्य में वृद्धि व चर्म, नैत्र विकार नाशक भी है

सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बह सूर्य ही एक ऐसे देवता हैं जो प्रत्यक्ष दिखतें हैं। सूर्य की उपासना अति फलदायक होती है। सूर्य के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए और सूर्य को प्रबल बनाने के लिए रविवार का व्रत करना बहुत ही फलदायक है। इस व्रत को करने से आयु और सौभाग्य में वृद्धि होती है। एवं सर्व कामना सिद्धि भी प्राप्त होती है। यह व्रत चर्म और नैत्र आदि विकार नाशक भी है। इस व्रत को निम्न तरीके से पूर्ण श्रद्धा के साथ करे। दिनभर व्रत रखकर सायंकाल अग्निहोत्र आदि कर बिना नमक का भोजन करना चाहिए। इस प्रकार महीने में प्रत्येक रविवार को सूर्य की उपासना करने से दैविक, दैहिक और भौतिक तीनों कष्टों से छुटकारा मिल जाता है। रविवार का व्रत किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारंभ करे और एक वर्ष अथवा 12 या 30 रविवार तक करे। रविवार के दिन प्रात: स्नान आदि करके लाल वस्त्र धारण करे एवं मस्तक पर लाल चन्दन का तिलक करे तथा ताम्बे के कलश में जल लेकर उसमे रोली, अक्षत, लाल पुष्प डालकर श्रद्धापूर्वक सूर्यनारायण को अर्ध्य प्रदान करे।

एवं ''ॐ हा हीं हौं स: सूर्याय नम:'' इस बिज मंत्र का यथाशक्ति जाप करे। इस दिन भोजन सूर्यास्त से पहले करे। भोजन में गेहू की रोटी अथवा गेहू का दलिया या इस का हलवा बनाये।भोजन से पूर्व इस हलवा का कुछ भाग देवस्थान या बालक-बालिका को देकर भोजन करे। भोजन में प्रथम हलवा ग्रहण करे फिर अन्य पदार्थ ग्रहण करे। भोजन में नमक का प्रयोग ना करे। अंतिम रविवार को हवन क्रिया के पश्चात योग्य दम्पति को भोजन कराकर लाल वस्त्र एवं यथेच्छा दक्षिणा प्रदान करे।

इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरुरी है

मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। महर्षि अरविंद कहते हैं, मन अशांत रहे, उसमें उथल-पुथल मची रहे, तो तन शांत व स्वस्थ कभी भी नहीं रह सकता। इससे शरीर में अनेक प्रकार के रोग भी जन्म ले सकते हैं। इसलिए सबसे पहले मन को शांत करना जरूरी है। किसी बात पर यदि क्रोध आता है, तो हम अपनी प्रतिक्रिया देने लगते हैं। इससे बात बिगड जाने की आशंका बनी रहती है। इसलिए मौन रहना ही क्रोध को वश में करने का सबसे सटीक उपाय है।

सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के अनुसार, जीवन में एक बार किसी कर्म को करने का फैसला ले लिया, तो फिर पीछे मुड कर न देखें। बार-बार पीछे मुडकर देखने वाले इतिहास नहीं बना पाते हैं। धृष्टकेतुश्चेकितान: काशिराजश्च वीर्यवान पुरुजित्कुंतिभोजश्च शैब्यश्च नरपुंगव: ।।

धृष्टकेतु- दृढकर्तव्य, चेकिस्तान: - जहां भी जाए , वहां से चित्त को खींचकर इष्ट में स्थिर करना,काशिराज: - कायारूपी काशी में ही वह साम्राज्य है, पुरुजित - स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीरों पर विजय दिलाने वाला पुरुजित, कुंतिभोज: - कर्तव्य से भव पर विजय, नरों में श्रेष्ठ, शैब्य अर्थात सत्य व्यवहार - युधामन्युश्च विक्रांत उत्तमौजाश्च वीर्यवान

सौभद्रो दौपदेयाश्च सर्व एव महारथा: ।।

और पराक्रमी युधामन्यु: - युद्ध के अनुरूप मन की धारणा, उत्तमौजा: - शुभ की मस्ती, सुभद्रापुत्र अभिमन्यु - जब शुभ आधार आ जाता है तो मन भय से रहित हो जाता है - ऐसा शुभ आधार से उत्पन्न अभय मन, ध्यानरूपी द्रौपदी के पांचों पुत्र - वात्सल्य, लावण्य, सहदयता, सौम्यता, स्थिरता सब के सब महारथी हैं। साधन-पथ पर संपूर्णयोग्यता के साथ चलने की क्षमताएं हैं।

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं

हनुमानजी ऐसे पूज्य देव हैं, जो कलियुग में भी साक्षात् रहते हैं। वह ब्रहमचारी और प्रभु श्रीराम के अमिट भक्त हैं। लेकिन पवनपुत्र के बारे में ऐसी कई बातें हैं जो वर्तमान में किसी रहस्य से कम नहीं। इन बातों की उल्लेख हिदू धार्मिक ग्रंथो और रामायण के तमाम संस्करणों में उल्लेख मिलता है। जैसे कि...

हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

१.हनुमानजी भगवान शिव के अवतार हैं। वह शक्ति, भक्ति, और दृढता का प्रतीक हैं।

२.हनुमानजी की मां पूर्वजन्म में अप्सरा थीं। जो एक शाप के कारण पृथ्वी पर जन्मीं और भगवान शिव के अवतार हनुमानजी की मां बनने का सौभाग्य मिला।

३.हनुमानजी बचपन से ही भगवान श्रीराम को अपना आराध्य देव मानते थे। और जब वह श्रीराम से वह मिले तो प्रसन्नता के आंसुओं को रोक नहीं पाए।

४.जब श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी मूर्छित हो गए तब हनुमानजी अपने एक हाथ पर ही पूरा एक पर्वत ले आए थे। वह इसीलिए क्योंकि उस पर्वत पर संजीवनी बूटी थी। जिससे से लक्ष्मण जी को मूर्छित अवस्था से दूर किया जा सके।

५.गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखित हनुमान चालीसा का पाठ यदि मंगलवार और शनिवार को किया जाए तो बजरंगबली की कृपा उस भक्त पर हमेशा बनी रहती है। जब श्रीराम की मृत्यु हुई तब हनुमानजी ने यम (मृत्यु के देवता) पर जाने से रोका था। लेकिन बाद में स्थितियां बदलीं और श्रीराम विष्णुलोक गए।

६.हनुमानजी ने श्रीराम को अंतिम समय में यह वचन दिया था। कि वह पृथ्वी पर अदृश्य रूप में रहकर राम नाम का स्मरण करते हुए उन्हें महाप्रलय तक पूजते रहेंगे। इसीलिए माना जाता है हनुमानजी

७.आज भी हमारे बीच में हैं। और उन्हें सच्चे मन से याद किया जाए तो वह भक्तों की मनोकामना पूरी करते हैं।

इस तरह कम करें कोलेस्ट्रॉल

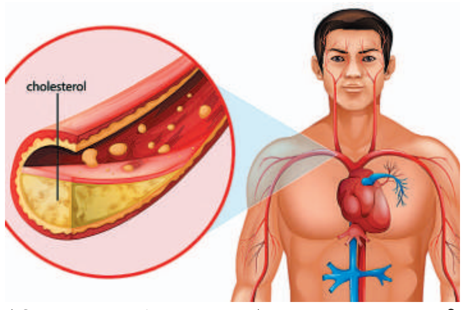

मेडिकल साइंस के इस तथ्य से आप शायद अवगत ही होंगी कि ब्लड में कोलेस्ट्रॉल के स्तर के बढ़ने से हाई ब्लडप्रेशर और और अन्य हृदय रोगों के होने का जोखिम बढ़ जाता है, लेकिन कुछ बातों पर अमल करके आप बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर इसे नियंत्रित कर सकती हैं..

अनहेल्दी फैट से दूर

अनहेल्दी फूड के स्थान पर अपने खानपान में साबुत अनाज, ताजे फल और सब्जियां, फिश, ऑलिव ऑयल, लहसुन, बादाम और अखरोट को शामिल करें।

कॉफी कम

क्या आपको पता है कि प्रतिदिन तीन से छह कप कॉफी पीने से आपके कोलेस्ट्रॉल में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

एक्सरसाइज है गुड

हफ्ते में एरोबिक एक्सरसाइज के 30 मिनट के चार सेशन से आपके हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के स्तर में इजाफा होगा। एचडीएल को गुड कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है।

वजन पर नियंत्रण

वजन अधिक होने या मोटापे से ग्रस्त होने से आपके कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी बढ़ जाता है। इसलिए समय-समय पर अपना वजन चेक करती रहें।

ओम शांति शांति

शोधकर्ताओं के अनुसार तनाव व दबाव की स्थितियों में जो लोग शत्रुतापूर्ण या आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं, उनका एचडीएल स्तर कम होता है। वहीं जो लोग विपरीत स्थितियों में अपने क्रोध को नियंत्रित करने में सक्षम होते हैं, उनका एचडीएल स्तर ऊंचा रहता है।

सेम और दाल भी घटाते है कोलेस्ट्रॉल

दिन में कम से कम एक बार भोजन में सेम, मटर या दाल खाने से कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण में रहता है और हृदय की बीमारियों का खतरा कम होता है। सेंट माइकल हॉस्पीटल के चिकित्सक सिवेनपाइपर ने कहा कि दिन में एक समय भोजन में दाल खाने से पांच प्रतिशत तक कोलेस्ट्रॉल कम होता है। भोजन में दाल को शामिल करना हृदय के लिए फायदेमंद रहता है। इससे दिल की बीमारियों का खतरा पांच से छह प्रतिशत तक कम होता है। दालों में ग्लाइसेमिक इंडेक्स (पाचन क्रिया के दौरान भोजन सामग्री का टूटना) का स्तर अपेक्षाकृत कम होता है और इनमें अतिरिक्त प्रोटीन और कोलेस्ट्रॉल को घटाने की क्षमता होती है। सिवेनपाइपर ने मेटा एनालाइसिस समीक्षा के तहत 1,037 लोगों पर अध्ययन किया। अध्ययन में पता चला कि पुरुषों में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर महिलाओं की अपेक्षा कम होता है। इसका कारण महिलाओं का खान-पान में उचित ध्यान न देना हो सकता है। यह अध्ययन पत्रिका कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित हुई है।

पेनकिलर है हानिकारक

जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर आते हैं जब हमें पेनकिलर दवाओं का सेवन करना पड़ता है। विशेषत आस्टियो-आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक मात्रा में पेनकिलर दवाओं का सेवन करने की आदत हो जाती है। ऐसे मरीजों को यदि हृदय रोग भी हो तो ये दवाएं उनके लिए बहुत खतरनाक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त अधिक मात्रा में या पेनकिलर का अधिक सेवन हमारे गुर्दों को क्षतिग्रस्त कर सकता है।

दिल की बीमारियों से दूर रखता है अखरोट

हालिया शोध में पता चला है कि रोजाना अखरोट खाने से डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। कनेक्टिकट स्थित येल ग्रिफिन प्रिवेंशन रिसर्च सेंटर के शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोज 56 ग्राम अखरोट के सेवन से अधिक वजन वाले वयस्कों के शरीर की आंतरिक प्रक्रिया में सुधार आता है। इस शोध में 30 से 75 साल के 46 वयस्कों को शामिल किया गया था।

आधुनिक जीवन शैली की तेज रफ्तार एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत का विषय बहुत पीछे रह गया है और नतीजा यह निकला की आज हम युवावस्था में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, कोलेस्ट्रोल, मोटापा, गठिया, थायरॉइड जैसे रोगों से पीड़ित होने लगे हैं जो कि पहले प्रोढ़ावस्था एवं व्रद्धावस्था में होते थे और इसकी सबसे बड़ी वजह है खान पान और रहन सहन की गलत आदतें, आओ हम सेहत के इन् नियमों का पालन करके खुद भी स्वस्थ रहे तथा परिवार को भी स्वस्थ रखते हुए अन्य लोगों को भी अच्छे स्वास्थय के लिए जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ एवं मजबूत समाज और देश का निर्माण हो,क्योंकि कहा भी गया है-पहला सुख निरोगी काया।

स्वस्थ शरीर है सबसे बड़ा खजाना!

भोजन हो संतुलित

घी, तैल से बनी चीजें जैसे पूड़ी,परांठे,छोले भठूरे,समोसे कचौड़ी, जंक फूड, चाय,कॉफी ,कोल्ड ड्रिंक का ज्यादा सेवन सेहत के लिए घातक है इनका अधिक मात्रा में नियमित सेवन ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रोल, मधुमेह, मोटापा एवं हार्ट डिजीज का कारण बनता है तथा पेट में गैस,अल्सर, ऐसीडिटी, बार बार दस्त लगना, लीवर खराब होना जैसी तकलीफें होने लगती हैं इनकी बजाय खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दूध, दही, छाछ , अंकुरित अनाज और सलाद को शामिल करना चाहिए जो की विटामिन,खनिज लवण,फाइबर,एव जीवनीय तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। चीनी एवं नमक का अधिक मात्रा में सेवन ना करें,ये डायबिटीज,ब्लड प्रेशर,हृदय रोगों का कारण हैं । बादाम, किशमिश, अंजीर, अखरोट आदि मेवा सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं इनका सेवन अवश्य करें पानी एवं अन्य लिक्विड जैसे फलों का ताजा जूस,दूध,दही,छाछ,नींबू पानी,नारियल पानी का खूब सेवन करें,इनसे शरीर में पानी की कमी नहीं हो पाती,शरीर की त्वचा एवं चेहरे पर चमक आती है,तथा शरीर की गंदगी पसीने और पेशाब के दवारा बाहर निकल जाती है।

व्यायाम का करें नियमित अभ्यास

सूर्योदय से पहले उठकर पार्क जाएं,हरी घास पर नंगे पैर घूमें, दौड़ लगाएं, वाक करें, योगा, प्राणायाम करें, इन उपायों से शरीर से पसीना निकलता है,मांस पेशियों को ताकत मिलती है,शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है, अनेक शारीरिक एवं मानसिक रोगों से बचाव होता है,पूरे दिन भर बदन में चुस्ती फुर्ती रहती है,भूख अच्छी लगती है इसलिए नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।

गहरी नींद भी है जरुरी

शरीर एवं मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन लगभग 7 घंटे की गहरी नींद एक वयस्क के लिए जरुरी है,लगातार नींद पूरी ना होना तथा बार बार नींद खुलना,अनेक बीमारियों का कारण बनता है।

नींद भी है जरूरी

नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधर्कताओं ने पाया है कि ठीक से सो नहीं पाने के कारण आपका रोजमर्रा का कामकाज प्रभावित हो सकता है। साथ ही ज्यादा खाना खाने की प्रवृत्ति पनप सकती है। यह बच्चे और वयस्क, दोनों पर लागू होता है। वहीं नींद खराब होने के बाद, हार्मोन कंट्रोलिंग सिस्टम भी प्रभावित होता है, इससे भावनात्मक तनाव बढ़ जाता है, और अधिक भोजन, ऊर्जा की कमी को पूरा करने में सक्षम नहीं है। दिन में जो भी आप खाते हैं यह सभी कारक भोजन की मात्रा को प्रभावित करते हैं। नेब्रस्का लिंकन विश्वविद्यालय के शोधकर्ता एलिसा-लिंकन और टीमोथी डी नेल्सन का कहना है कि डॉक्टरों को नींद और खाने के प्रति जागरूक होना चाहिए। नींद सक्रिय रूप से आहार-व्यवहार को बदल देती है। इस पर विचार किया जाना चाहिए। मोटापे से मधुमेह, हृदय रोग जैसी घातक बीमारी होने का खतरा बना रहता है। दूसरी ओर, इस बारे में लेखक का कहना है कि अत्यधिक भोजन करना व बाधित नींद को समझना अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भोजन का सेवन जैविक, संज्ञात्मक, भावनात्मक और पर्यावरणीय कारकों से प्रेरित है। इसमें लुंथल और नेल्सन का तर्क है कि इन कारकों से सोने की प्रवृत्ति प्रभावित है। नींद प्रभावित होने के चलते वयस्कों और बच्चों दोनों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि लोग इसके लिए जागरूक हों, उन्हें खाने की गुणवत्ता और मात्रा का भी ख्याल रखना चाहिए। यह शोधपत्र एक समाचार पत्र में प्रकाशित हुआ है।

ये उपाय करें

सोने का कमरा साफ सुथरा,शांत एवं एकांत में होना चाहिए,रात को अधिकतम 10-11 बजे तक सो जाना और सुबह 5-6 बजे तक उठ जाना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है,सोने से पहले शवासन करने से अच्छी नींद आती है,खाना सोने से 2-3 घंटे पहले कर लेना चाहिए एवं शाम को खाना खाने के बाद 20-25 मिनट अवश्य घूमें।

नशे से रहें बच के

यूवा पीढ़ी के लिए कोई सबसे खतरनाक बीमारी है तो वो है नशे के जाल में फँसना,शराब,धूम्रपान,तम्बाकू ये सब सेहत के दुश्मन हैं,किसी भी स्थिति में नशे की लत से बचें,यदि नशे से बचे हुए हैं तो बहुत अच्छा किन्तु,यदि कोई नशा करते हैं तो जितनी जल्दी नशे से दुरी बना लें उतना ही अच्छा है,ये ऐसी बीमारी है जो कैंसर और एड्स से भी ज्यादा खतरनाक है और एकसाथ कई परिवारों को बर्बाद करती है तथा शारीरिक,मानसिक,आर्थिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा के नाश का कारण बनती है, इसलिए नशे से बचना ही बेहतर उपाय है।

टेंशन को कहें बाय बाय

रोज मर्रा की जिंदगी में आने वाली समस्यों के लिए चिंतन करना सही है चिंता करना नहीं,चिता तो फिर भी मरने के बाद शरीर को जलाती है किन्तु लगातार अनावश्यक चिंता जीते जी शरीर को जला देती है इसलिए तनाव होने पर भाई,बंधू एवं विश्वास पात्र मित्रों से सलाह मश्वरा करें यदि समस्या फिर भी ना सुलझे तो विशेषज्ञ से राय लें।

बीमारी से बेहतर है बचाव

कहते हैं कि बीमारी से बेहतर है बचाव। दिल को स्वस्थ रखने के संदर्भ में कुछ सुझावों पर अमल करें..

- नियमित रूप से अपने शरीर की क्षमता के अनुसार व्यायाम करें। व्यायाम भी दिल को सेहतमंद रखने में कारगर हैं।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर आप कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम भी कर सकते हैं।
- टहलना भी अच्छा व्यायाम है। शरीर की क्षमता के मद्देनजर नियमित रूप से टहलें।
- जो लोग पहले से ही डाइबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर से ग्रस्त हैं, उनमें हृदय संबंधी समस्याएं होने का खतरा कहीं ज्यादा होता है। इसलिए डाइबिटीज से ग्रस्त लोगों को नियमित रूप से अपने ब्लड शुगर की जांच करनी चाहिए। इसी तरह हृदय रोगों से ग्रस्त लोगों को भी ब्लडप्रेशर चेक करते या कराते रहना चाहिए।
- अगर ब्लडशुगर और ब्लड प्रेशर अनियंत्रित है, तो शीघ्र ही अपने डॉक्टर से परामर्श लें।
- डॉक्टर से परामर्श लेकर एक अंतराल पर रक्त में कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच कराते रहें।
- तंबाकू का सेवन न करें।
- अत्यधिक नमकीन खाद्य पदार्थों को खाने से परहेज करें। नमक कम मात्रा में लें।

तेल का महत्व

लोगों को खाने के तेल पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। अगर सही प्रकार और सही मात्रा में तेल का इस्तेमाल किया जाए, तो दिल संबंधी बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है। इस संदर्भ में राइस ब्रैन तेल अत्यंत लाभप्रद है। इस तेल को चावल के भूसे में से निकाला जाता है। इसके अलावा सरसों का तेल, जैतून और सोयाबीन का तेल भी दिल की सेहत के लिए लाभप्रद है।

वजन कम करना है तो खाइए फ्रोजन फूड

वजन कम करना चाहते हैं तो अपने फ्रीज में झांक कर देखिए। डॉक्टरों का कहना है कि फ्रोजन फूड खान से मोटापे को कम करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों का दावा है कि कम कैलोरी का फोजन फूड खाने से कमर को फैलने से रोका जा सकता है क्योंकि इस प्रकार का भोजन कैलोरी के हिसाब से नियंत्रित होता है । लोयोला यूनिवर्सिटी हेल्थ सिस्टम में पोषाहार और वजन नियंत्रण प्रबंधन की विशेषज्ञ जेसिका बार्टफील्ड ने बताया, 'कम कलौरी के भोजन से नियंत्रित मात्रा में कलौरी ली जाती है जिससे वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।' बार्टफील्ड का कहना है कि अधिकतर लोग कम कलौरी का भोजन लेते हैं जो प्रतिदिन 1000 से 1800 कैलोरी प्रतिदिन होता है। यह वजन, उम्र, कद और लिंग पर निर्भर करता है।

प्रार्थना से भी दूर होता है तनाव

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टररी सलाह तक। लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्था रखती है। साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रुप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्क ऊर्जा बढ़ती है। और प्रार्थन करने वाला व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महसूस करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा व प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग जो हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना ही कर रहे होते हैं।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।
- प्रतिदिन प्रार्थना करने से व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है, जिससे एकाग्रता आती है।

नोएटिक थैरेपी क्या है

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह, जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

रेसिपी

रवा केसरी

सामग्री

1/2 कप रवा (सूजी), 2 टेबल स्पून घी, डेढ कप दूध, 10-12 किशमिश, 4-10 कटे हुए बादाम, 1/4 टी स्पून छोटी इलायची पाउडर, कुछ धागे केसर के 1 टेबल स्पून पानी में भीगे हुए, स्वादानुसार चीनी।

विधि

एक कड़ाही में घी डालकर गर्म करें और रवा डालकर सुनहरा होने तक भूनें। डेढ़ कप पानी के साथ दूध मिलाएं और एक उबाल दें। फिर उसे भूने हुए रवा (सूजी) में मिलाकर गाढ़ा होने तक पकाएं। किशमिश, बादाम, केसर, इलायची पाउडर और चीनी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गरमागरम सर्व करें।

कितने लोगों के लिए : 4

गवारफली की सब्जी

सामग्री

300 ग्राम गवार की फली, 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 छोटा चम्मच अजवाइन, 1 चुटकी हींग, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पिसी हुई, नमक 1 छोटा चम्मच (या स्वादानुसार), 1/2 छोटा चम्मच पिसी हुई लाल मिर्च, छोटा चम्मच धनिया पिसा हुआ, 1/2 छोटा चम्मच अमचुर, तेल डेढ़ बड़ा चम्मच

विधि

गवार की फली के किनारे निकालकर, अगर इसमें कोई धागा है तो वो भी निकाल दें, अच्छी तरह धो लें और एक साफ कपड़े से इसका पानी पोंछ लें। फली को इच्छानुसार छोटे छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कड़ाही में मध्यम आंच पर तेल गरम करें। इसमें जीरा और अजवाइन डालें, कुछ देर के लिए भूनें और फिर हींग डालें। आंच को धीमा करके हल्दी डालें और फिर गवार के टुकड़े डाल दें। इस सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। नमक, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालें, और फिर से सब्जी को एक मिनट के लिए चलाएं। गवार के गलने तक ढक कर पकाएं। इसमें लगभग 12-15 मिनट का समय लगता है। जब सब्जी गल जाए तो इसमें अमचूर डालकर सब्जी को दो मिनट के लिए भूनें। रोटी, पूरी, पराठा या फिर दाल चावल किसी के भी साथ गरम परोसें।

संपादकीय

तेल संकट के विरोधाभास

बुलढाणा (महाराष्ट्र) में किसान धरने पर बैठ गए हैं। उन्हें पर्याप्त डीजल नहीं मिल पा रहा है। बिन डीजल के खेती करना नामुमकिन है। किसी जगह लोगों में मारपीट की नौबत आ गई है। एक जगह ट्रक, ट्रैक्टर, ट्रॉली और अपने-अपने डिब्बे, ड्रम लिए लोगों की लंबी-लंबी कतार लगी है। किसान पेट्रोल पंप के पास ही रात गुजारने, सोने को विवश हैं, लिहाजा मच्छरदानी तान कर बंदोबस्त कर रहे हैं। कोई पेट्रोल पंप ही बंद कर दिया गया है। तख्ती टांग दी गई है-पेट्रोल खत्म है और डीजल यहां नहीं बिकता। यह भारत देश की औसत तस्वीर है, हकीकत है, लेकिन केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि देश में कच्चे तेल, नेचुरल गैस, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। ऐसे विरोधाभास में कब तक जिएगा आम भारतीय? कुछ आंकड़े गौरतलब हैं। इंडियन ऑयल कंपनी ने 95,000 करोड़ रुपए से अधिक, भारतीय पेट्रोलियम ने 65,000 करोड़ रुपए से अधिक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने 48,000 करोड़ से अधिक और ओएनजीसी ने 1.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के मुनाफे कमाए हैं। आम उपभोक्ता को कितने सस्ते पेट्रोल-डीजल और एलपीजी मुहैया कराए गए? सरकार इस संदर्भ में बिल्कुल खामोश है। अलबत्ता पेट्रोलियम मंत्री जरूर रुदनावस्था में कहते रहे हैं कि अब भी तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ रुपए का घाटा है। पेट्रोल-डीजल के दाम जितने बढ़ाए गए हैं, उससे तो कंपनियों के नुकसान की 15 फीसदी ही भरपाई होगी। यदि पेट्रोल-डीजल 10 रुपए प्रति लीटर महंगे किए जाएंगे, तो घाटे की 50 फीसदी भरपाई हो सकती है। जब पेट्रो पदार्थ 17-18 रुपए महंगे होंगे, तो तेल कंपनियों का मुनाफा शुरू हो सकता है। आखिर ये मुनाफे किसके लिए हैं? क्या इनका एक हिस्सा आम उपभोक्ता से साझा नहीं करना चाहिए। जब देश में 70-72 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल आ रहा था, तब भी कंपनियों ने पेट्रो पदार्थों के खुदरा दाम क्यों नहीं घटाए थे? ये भारत की सार्वजनिक उपक्रम वाली कंपनियां हैं, जो करदाता और शेयरधारक के पैसे से चलती हैं। किसी लाला की दुकानदारी नहीं है। बहरहाल भारत में तेल-संकट का दौर है और एक बड़ी तेल कंपनी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में निवेश करेगी! आपदा में भारतीय कंपनी अपने देश में नहीं, विदेश में निवेश करेगी, इससे कुरूप और भद्दा विरोधाभास क्या हो सकता है? इसी तरह दवाएं बनाने वाली एक बड़ी कंपनी भी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में ही निवेश करेगी। यह कैसा राष्ट्रवाद है? एक और विरोधाभास उल्लेखनीय है। मार्च-अप्रैल में भारत में 1.32 लाख करोड़ रुपए का कच्चा तेल आयात किया गया। फिर उसे रिफाइन करके 150 गरीब देशों को 52,826 करोड़ रुपए के पेट्रो पदार्थ निर्यात कर दिए गए। शेष किसी अन्य देश में बेच दिया होगा! सवाल है कि जब देश संकट में है, पेट्रोल-डीजल-गैस के लिए मारामारी है, ऐसी स्थिति में तेल देश के काम आना चाहिए था, लेकिन एक जमात को अपने धंधे और मुनाफे की ही चिंता है। सरकार ने न तो कोई कार्रवाई की है और न ही ऐसे विरोधाभास का खुलासा किया है, लेकिन मीडिया में सब कुछ बेनकाब हो गया। इन मुनाफों के बावजूद देश की सबसे प्रमुख रिलायंस कंपनी विश्व में 106वें स्थान पर है। पहले 100 में कोई भी भारतीय कंपनी नहीं है। बहरहाल चार दिन में पेट्रोल-डीजल के दाम दूसरी बार बढ़ाए गए हैं। सतही तौर पर 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान लगते हैं, लेकिन उनके द्वारा वसूली व्यापक है। हालांकि कुल 4 फीसदी के करीब बढ़ोतरी की गई है। दुनिया में सबसे कम दाम भारत में ही बढ़ाए गए हैं। सरकार ने 16 बार उत्पाद शुल्क बढ़ा कर 42-43 लाख करोड़ रुपए कूटे हैं। यह विपक्ष का आरोप है, लिहाजा हम इसकी पुष्टि नहीं कर सकते। इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का आकलन सामने आया है कि ईरान युद्ध और उससे उपजे संकट, किल्लत के कारण वैश्विक जीडीपी में 500-800 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। यदि युद्ध के समापन की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप आज ही कर दें और ईरान भी उसे कबूल कर ले, तो भी सामान्य हालात होने में 6 माह से एक साल तक का वक्त लग सकता है। तेल कुओं, रिफाइनरियों आदि के पुनर्निर्माण में तो 3-5 साल लग सकते हैं।

आम उपभोक्ता को कितने सस्ते पेट्रोल-डीजल और एलपीजी मुहैया कराए गए? सरकार इस संदर्भ में बिल्कुल खामोश है। अलबत्ता पेट्रोलियम मंत्री जरूर रुदनावस्था में कहते रहे हैं कि अब भी तेल कंपनियों को रोजाना 750 करोड़ रुपए का घाटा है। पेट्रोल-डीजल के दाम जितने बढ़ाए गए हैं, उससे तो कंपनियों के नुकसान की 15 फीसदी ही भरपाई होगी। यदि पेट्रोल-डीजल 10 रुपए प्रति लीटर महंगे किए जाएंगे, तो घाटे की 50 फीसदी भरपाई हो सकती है। जब पेट्रो पदार्थ 17-18 रुपए महंगे होंगे, तो तेल कंपनियों का मुनाफा शुरू हो सकता है। आखिर ये मुनाफे किसके लिए हैं? क्या इनका एक हिस्सा आम उपभोक्ता से साझा नहीं करना चाहिए। जब देश में 70-72 डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल आ रहा था, तब भी कंपनियों ने पेट्रो पदार्थों के खुदरा दाम क्यों नहीं घटाए थे? ये भारत की सार्वजनिक उपक्रम वाली कंपनियां हैं, जो करदाता और शेयरधारक के पैसे से चलती हैं। किसी लाला की दुकानदारी नहीं है। बहरहाल भारत में तेल-संकट का दौर है और एक बड़ी तेल कंपनी करीब 2 लाख करोड़ रुपए अमरीका में निवेश करेगी!

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को "ईंधन बचत" की चिंता सताने लगती है

पेट्रोल बचत का ज्ञान, सरकारी गाड़ियों में खानदान

डॉ. प्रियंका सौरभ

देश में जब भी पेट्रोल और डीज़ल की कीमतें बढ़ती हैं, तब अचानक सरकारों, अधिकारियों और नेताओं को "ईंधन बचत" की चिंता सताने लगती है। टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं।

बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं। तब जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि आखिर ईंधन बचाने का बोझ केवल आम आदमी के हिस्से में ही क्यों आता है? वास्तव में यह समस्या केवल पेट्रोल या डीज़ल की नहीं है, बल्कि मानसिकता की है। हमारे यहाँ सत्ता और पद को अक्सर सेवा नहीं, विशेषाधिकार समझ लिया जाता है। जैसे ही कोई व्यक्ति बड़े पद पर पहुँचता है, उसके आसपास सुविधाओं का ऐसा घेरा बन जाता है जिसमें सरकारी संसाधनों को निजी जीवन का हिस्सा मान लिया जाता है। सरकारी गाड़ी फिर केवल प्रशासनिक कार्य का माध्यम नहीं रहती, बल्कि प्रतिष्ठा और प्रभाव का प्रतीक बन जाती है। यही कारण है कि कई बार सरकारी वाहन कार्यालय से अधिक परिवार की सुविधाओं के लिए दौड़ते दिखाई देते हैं।

विडंबना देखिए कि जिस देश में करोड़ों लोग रोज़ाना महँगे पेट्रोल के कारण अपनी यात्राएँ सीमित कर रहे हैं, वहाँ जनता के टैक्स से चलने वाली गाड़ियों का निजी उपयोग सामान्य बात मान ली जाती है। आम आदमी अपने बच्चे की फीस भरने और पेट्रोल डलवाने के बीच संतुलन बैठाता है, जबकि सत्ता के गलियारों में सरकारी ईंधन पर पारिवारिक आराम चलता रहता है। यही दृश्य जनता के भीतर असंतोष पैदा करता है, क्योंकि त्याग का उपदेश वही दे रहा होता है जो स्वयं त्याग करने को तैयार नहीं दिखता। इतिहास गवाह है कि समाज केवल भाषणों से नहीं बदलता, उदाहरणों से बदलता है। यदि नेता और अधिकारी वास्तव में ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो सबसे पहले उन्हें स्वयं अपने घर से शुरुआत करनी चाहिए। यदि सरकारी

टीवी चैनलों पर संदेश चलने लगते हैं, अखबारों में विज्ञापन छपते हैं और मंचों से जनता को समझाया जाता है कि अनावश्यक वाहन प्रयोग बंद करें, कार पूलिंग अपनाएँ, कम दूरी पैदल तय करें और राष्ट्रहित में ईंधन की बचत करें। सुनने में यह सब बहुत आदर्शवादी और जिम्मेदार लगता है, लेकिन जैसे ही आम आदमी सड़क पर उतरता है, उसे इस आदर्शवाद का दूसरा चेहरा दिखाई देने लगता है। एक तरफ आम नागरिक पेट्रोल पंप पर हर बढ़े हुए रुपये का हिसाब लगाता है, दूसरी तरफ सरकारी गाड़ियों का काफिला सत्ता के रुतबे की तरह सड़कों पर दौड़ता दिखाई देता है। जनता को बचत का पाठ पढ़ाने वाले वही लोग अक्सर अपने परिवार की छोटी-छोटी निजी जरूरतों के लिए भी सरकारी गाड़ियों का इस्तेमाल करते देखे जाते हैं। बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, पत्नी को बाजार जाना हो, रिश्तेदारों को लाना-ले जाना हो या निजी कार्यक्रम में शामिल होना हो—सरकारी वाहन हर समय सेवा में तैयार रहते हैं।

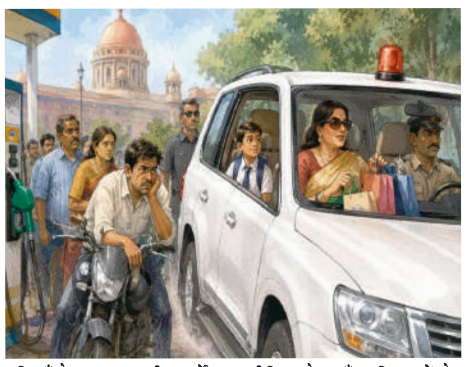

गाड़ियाँ केवल सरकारी कार्यों तक सीमित हो जाएँ, यदि बच्चों के स्कूल आने-जाने और शॉपिंग जैसी निजी गतिविधियों में उनका प्रयोग बंद हो जाए, तो यह किसी बड़े अभियान से अधिक प्रभावशाली संदेश होगा। जनता वही अपनाती है जो वह अपने नेतृत्व में देखती है। आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि सत्ता और जनता के बीच नैतिक दूरी बढ़ती जा रही है। जब जनता देखती है कि उसे सादगी और बचत का पाठ पढ़ाने वाले लोग स्वयं विलासिता और विशेषाधिकार में जी रहे हैं, तब उसका विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र केवल कानूनों से नहीं चलता, बल्कि नैतिक विश्वसनीयता से भी चलता है। यदि शासन करने वाले लोग स्वयं नियमों का पालन न करें, तो जनता से अनुशासन की अपेक्षा करना केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। यह भी सच है कि हर अधिकारी और नेता ऐसा नहीं करता। अनेक लोग ईमानदारी और सादगी से अपना दायित्व निभाते हैं। कई अधिकारी निजी जीवन में सरकारी सुविधाओं का दुरुपयोग नहीं करते और नियमों का पालन करते हैं। लेकिन समस्या यह है कि कुछ लोगों की आदतें पूरी व्यवस्था की छवि खराब कर देती हैं।

जनता को वही दिखता है जो सड़क पर दिखाई देता है—लालबत्ती वाली गाड़ियों का रौब, लंबा काफिला और निजी कामों में सरकारी संसाधनों का खुला उपयोग। सबसे दुखद बात यह है कि सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को कई बार समाज भी "स्टेटस" मानने लगता है। यदि किसी अधिकारी की पत्नी सरकारी गाड़ी से बाजार जाती दिखाई दे, तो कुछ लोग उसे रुतबे का प्रतीक समझते हैं। यही मानसिकता धीरे-धीरे व्यवस्था को भीतर से खोखला करती है। सरकारी सुविधा सेवा का साधन होनी चाहिए, शान का प्रदर्शन नहीं। आज पर्यावरण संकट और ऊर्जा संकट दोनों हमारे सामने हैं। दुनिया जलवायु परिवर्तन से जूझ रही है। भारत जैसे विशाल देश में ईंधन की बचत केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। लेकिन कोई भी अभियान तभी सफल होगा जब उसमें समान भागीदारी दिखाई देगी। यदि जनता से कहा जाए कि वह अपनी बाइक कम चलाए, जबकि सत्ता वर्ग निजी कार्यों में सरकारी गाड़ियों का प्रयोग जारी रखे, तो यह संदेश खोखला ही लगेगा। सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर कठोर और पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए। हर विभाग में वाहन उपयोग का डिजिटल रिकॉर्ड सार्वजनिक होना चाहिए। यह स्पष्ट होना चाहिए कि कौन-सी गाड़ी कब और किस कार्य के लिए गई। निजी उपयोग पाए जाने पर आर्थिक दंड और प्रशासनिक कार्रवाई दोनों होनी चाहिए। तकनीक के इस युग में यह कोई कठिन काम नहीं है। कठिन केवल इच्छाशक्ति है।

इसके साथ ही समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल नेताओं और अधिकारियों की आलोचना कर देना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिकों में भी दिखावे और अनावश्यक वाहन प्रयोग की प्रवृत्ति बढ़ी है। छोटी दूरी के लिए भी वाहन निकालना अब आदत बन चुका है। लेकिन नेतृत्व की जिम्मेदारी इसलिए अधिक होती है क्योंकि वही समाज की दिशा तय करता है। यदि ऊपर अनुशासन होगा तो उसका प्रभाव नीचे तक अवश्य पहुँचेगा। दरअसल लोकतंत्र में सबसे बड़ा नैतिक बल उदाहरण का होता है। जब जनता देखती है कि कोई नेता सादगी से जीवन जी रहा है, अनावश्यक सुविधाओं से दूर है और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करता, तो उसके प्रति सम्मान स्वतः बढ़ जाता है। लेकिन जब वही नेता मंच से बचत की बात करे और उसके परिवार की रोजमर्रा की सुविधा सरकारी पेट्रोल पर चले, तब शब्दों की विश्वसनीयता समाप्त हो जाती है।

यह प्रश्न केवल ईंधन का नहीं, बल्कि टैक्स देने वाले नागरिक के सम्मान का भी है। जनता का पैसा जनता की सेवा के लिए है, किसी परिवार की निजी सुविधा के लिए नहीं। लोकतंत्र में सरकारी गाड़ी किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होती, बल्कि जनता की ओर से दी गई जिम्मेदारी होती है। जब यह जिम्मेदारी विशेषाधिकार में बदल जाती है, तब व्यवस्था और जनता के बीच विश्वास का संकट पैदा होता है। आज आवश्यकता बड़े-बड़े नारों की नहीं, छोटे लेकिन ईमानदार कदमों की है। यदि नेता और अधिकारी सचमुच ईंधन बचत को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें अपने परिवारों के निजी उपयोग के लिए सरकारी गाड़ियों का प्रयोग बंद करना चाहिए। इससे न केवल ईंधन की बचत होगी, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाएगा कि त्याग केवल आम आदमी के लिए नहीं, सत्ता के लिए भी आवश्यक है। देश को भाषण देने वाले नहीं, उदाहरण प्रस्तुत करने वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। क्योंकि जनता अब केवल सुनना नहीं चाहती, देखना चाहती है। और जब तक सरकारी पेट्रोल पर "खानदान" चलता रहेगा, तब तक "ईंधन बचाओ" का हर अभियान जनता को केवल एक दिखावा ही प्रतीत होगा।

देश दुनिया से

हंतावायरस-इबोला से फिर स्वास्थ्य चुनौती

कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज, एमवी होंडियस पर हंतावायरस के मामलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। अब डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए नई चिंता पैदा कर रहा है। यह वायरस हफ्तों से दुनिया के एक ऐसे हिस्से में फैल रहा है, जहां गृह युद्ध की वजह से संक्रमण पर काबू पाना मुश्किल है। साथ ही, इसमें शामिल इबोला की प्रजाति भी दुर्लभ है। इसलिए इस वायरस को रोकने के लिए अधिकारियों के पास कम ही साधन उपलब्ध हैं। यह वायरस संक्रमित लोगों में से लगभग एक-तिहाई लोगों की जान ले लेता है। यह इस महामारी के फैलने का एक बहुत ही नाजुक दौर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक प्रतिनिधि ऐन एन्सिया ने चेतावनी दी है कि डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला का प्रकोप, जिसने कम से कम 131 लोगों की जान ले ली है, शायद मूल अनुमान से कहीं ज्यादा तेजी से फैल रहा है। डॉ. एन्सिया ने बताया कि जांच से यह और भी साफ होता जा रहा है कि यह बीमारी दूसरे इलाकों में भी फैल चुकी है। अभी तक डीआर कांगो में 513 से ज्यादा मामलों का संदेह है, जबकि पड़ोसी देश युगांडा में एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। लंदन स्थित एमआरसी सेंटर फॉर ग्लोबल इन्फेक्शियस डिजीज एनालिसिस द्वारा जारी किए गए एक मॉडल के अनुसार, इबोला के बहुत से मामले पकड़ में नहीं आए हैं, और इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मामलों की संख्या 1,000 से अधिक है। दरअसल, मौजूदा प्रकोप जितना अभी दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा बड़ा है और इसका असली दायरा अभी भी अनिश्चित है। 6 अमेरिकी नागरिकों के वायरस के संपर्क में आने की सूचना मिली है। इबोला के अधिकतर मामले छोटे स्तर के ही होते हैं, लेकिन विशेषज्ञ 2014-16 में फैली महामारी को याद करके नए प्रकोप पर चिंता जाहिर कर रहे हैं। उस समय पश्चिम अफ्रीका में इबोला के सबसे बड़े प्रकोप के दौरान 28,600 लोग संक्रमित हुए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 'अंतर्राष्ट्रीय चिंता

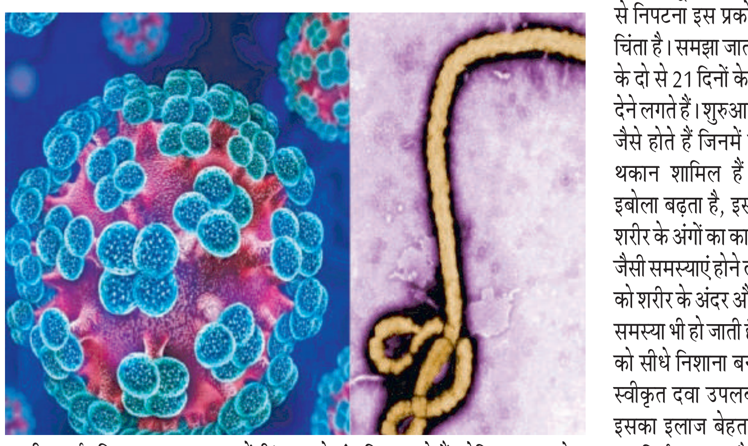

वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य इमरजेंसी' घोषित किया है। लेकिन इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि हम कोविड जैसी किसी बड़ी महामारी के शुरुआती दौर में पहुंच गए हैं। पूरी दुनिया के लिए इबोला से होने वाला खतरा अब भी कम है। वर्ष 2014-16 में इबोला महामारी के दौरान भी ब्रिटेन में इबोला के केवल तीन मामले सामने आए थे, और वे सभी स्वास्थ्यकर्मी थे जो स्वेच्छा से मदद के लिए आगे आए थे। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के पैंडेमिक साइंसेज इंस्टिट्यूट की वैज्ञानिक डॉ. अमांडा रोजेक का कहना है कि नए प्रकोप पर काबू पाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आपसी तालमेल की जरूरत है। युगांडा, दक्षिण सूडान और रवांडा जैसे पड़ोसी देशों के लिए यह इबोला अब भी एक बड़ा खतरा बना हुआ है। इन देशों को व्यापार और यात्रा के घनिष्ठ संबंधों के कारण 'उच्च जोखिम' वाले देशों की श्रेणी में रखा गया है। इबोला एक गंभीर और जानलेवा संक्रामक बीमारी है। दरअसल, इबोला वायरस स्वाभाविक रूप से जानवरों, मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों को संक्रमित करते हैं, लेकिन अगर लोग उनके सीधे संपर्क में आते हैं, तो वे भी संक्रमित हो सकते हैं। इस प्रकोप का कारण इबोला वायरस की बुंडिबुग्यो प्रजाति है। यह उन तीन प्रजातियों में से एक है, जिनके कारण संक्रमण फैलता है। बुंडिबुग्यो ने पहले केवल दो बार प्रकोप फैलाया है। वर्ष 2007 और 2012 में इसने संक्रमित लोगों में से लगभग 30 प्रतिशत की जान ले ली थी। बुंडिबुग्यो वायरस स्वास्थ्य कर्मियों के समक्ष कई तरह की चुनौतियां खड़ी करता है। इबोला वायरस की अन्य प्रजातियों के विपरीत बुंडिबुग्यो के लिए कोई भी स्वीकृत टीका या दवा उपलब्ध नहीं है। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाएं अवश्य मौजूद हैं। वायरस के संक्रमण की पुष्टि करने वाले टेस्ट बहुत कारगर नहीं हैं। इस प्रकोप के शुरुआती नतीजे इबोला वायरस के लिए नेगेटिव आए थे और वायरस की पुष्टि करने के लिए अधिक उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों की आवश्यकता पड़ी। इसमें बुंडिबुग्यो भी शामिल है। ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर ट्रूडी लैंग कहती हैं कि बुंडिबुग्यो से निपटना इस प्रकोप में एक बहुत बड़ी चिंता है। समझा जाता है कि संक्रमण होने के दो से 21 दिनों के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं। शुरुआत में ये फ्लू के लक्षणों जैसे होते हैं जिनमें बुखार, सिरदर्द और थकान शामिल हैं। लेकिन जैसे-जैसे इबोला बढ़ता है, इससे उल्टी, दस्त और शरीर के अंगों का काम करना बंद हो जाना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। कुछ मरीजों को शरीर के अंदर और बाहर रक्तस्राव की समस्या भी हो जाती है। बुंडिबुग्यो वायरस को सीधे निशाना बनाने के लिए कोई भी स्वीकृत दवा उपलब्ध न होने के कारण इसका इलाज बेहतर सहायक देखभाल पर निर्भर करता है, जिसमें दर्द, अन्य संक्रमणों, शरीर में तरल पदार्थों और पोषण का प्रबंधन शामिल है। शुरुआती देखभाल से मरीज के बचने की संभावना बढ़ जाती है। अफ्रीका में इबोला के मामले सामने आने से कुछ दिन पहले एक क्रूज जहाज पर कुछ यात्रियों के हंतावायरस के संक्रमित लोगों की खबर ने कोविड के दिनों की याद ताजा कर दी। छह साल पहले, मार्च 2020 में एक क्रूज जहाज रूबी प्रिंसेस के सिडनी में डॉक होने के बाद कोविड फैल गया था। जहाज से उतरे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में से 575 लोग कोविड से संक्रमित थे।

आप का नज़रिया

किफायत की आचार संहिता

अदालतें बदलने लगीं देश की हिफाजत में और इसी के संदर्भ में हिमाचल हाईकोर्ट ने भी 'वर्क फ्रॉम होम' की जरूरत में दिशा निर्देश जारी किए हैं। एक बड़ा संकल्प अगर अदालत के कामकाज को डिजिटल युग में प्रवेश करा रहा है, तो आने वाला वक्त पूरी तरह बदल सकता है। यहां बात देश के ईंधन की बचत को लेकर है, तो माननीय उच्च न्यायालय ने सारी संभावनाएं खोल दीं। यानी अदालत परिसर की पार्किंग अब वाहनों की भीड़ से अलग नजर आएगी, क्योंकि वाहनों की पूलिंग होगी तथा कई कर्मचारी घर से ही फाइल देखेंगे। वर्क फ्रॉम होम के दिशा निर्देश अपना कर अदालत से पहले लोकभवन ने भी अपने कदम फिजूल की गाडियों से नीचे उतारे हैं। पेट्रोल की फिजूल खर्ची को सामाजिक समर्थन मिला है या राज्य के संसाधन भी इस दिशा में आचार संहिता दर्ज नहीं करते। कारों की पूलिंग के लिए अगर सामाजिक सहमति बन जाए, तो देश के आर्थिक रास्ते आसान हो जाएंगे। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में परिवहन के अर्थ, निजी वाहनों को तरजीह देने लगे हैं। नतीजतन छोटे रास्तों पर दूरी मापना कठिन होता जा रहा है। शिमला की सडक़ों पर अनेकों वाहन पार्क होते हैं, क्योंकि यही ठिकाना अब शहरी तरक्की का हो गया है। कमोबेश हर शहर और गांव की हस्ती में निजी वाहनों की तादाद बढ़ते-बढ़ते अब परिवहन का तनाव बन गई है, जबकि दूसरी ओर हिमाचल में बढ़ते ट्रैफिक जॉम न केवल ईंधन का अत्यधिक खर्च कर रहे हैं, बल्कि प्रदूषण बढ़ाने में सहायक हैं। ऐसे में हर शहर में वाहनों की तादाद को रोकने की नीति व योजना होनी चाहिए। हिमाचल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रेरित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी सबसे अधिक व्यय पेट्रोलियम उत्पादों पर ही हो रहा है। प्रदेश में वाहन खरीद की बाकायदा आचार संहिता होनी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन, कॉमन पूल परिवहन और टैक्सी परिवहन के लिए अब आचार संहिता की जरूरत है। उदाहरण के लिए पर्यटक सीजन में वाहनों की तादाद और वाहनों की कतार प्रदेश के लिए कई मायनों में हानिकारक है। इससे प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा ईंधन की खपत बढने से राष्ट्रीय और मानवीय घाटा बढ़ रहा है। हर पर्यटक स्थल से दस-पंद्रह किलोमीटर पहले निजी वाहनों को रोक कर मिनी बसों या टैक्सी पूलिंग के जरिए परिवहन संचालित किया जा सकता है। इसी तरह साइट सीईंग के लिए अलग से बस सेवाएं शुरू करनी होंगी। प्रदेश के भीतर अनेक पर्यटक शहरों के बीच पर्यटक बस सेवाएं शुरू की जा सकती हैं। उदाहरण के लिए बीड़-बिलिंग और धर्मशाला के बीच रोजाना अनेकों टैक्सियां दौड़ती हैं। अगर इन दोनों पर्यटक डेस्टिनेशन के बीच परिवहन को वाहनों के बोझ से घटाने के लिए पर्यटक बस सेवाएं शुरू की जाएं, तो किफायत का हर पहलू लाभकारी होगा। प्रदेश के अनेक भागों में अवसर विशेष परिवहन सेवाएं भी राष्ट्रीय बचत कर सकती हैं। शिमला के संदर्भ में राज्यपाल के बाद हाई कोर्ट प्रशासन के ये कदम अनुकरणीय हैं। राजधानी शिमला में हर दिन कर्मचारियों का एक सैलाब उतरता है। कोशिश यह होनी चाहिए कि वर्क फ्रॉम होम के तहत शिमला सहित सारे राज्य के प्रशासनिक शहरों में वाहनों की तादाद घटाई जाए। किफायत के हर पहलू को प्राथमिकता के आधार पर अपनाना ही पड़ेगा।

एक बड़ा संकल्प अगर अदालत के कामकाज को डिजिटल युग में प्रवेश करा रहा है, तो आने वाला वक्त पूरी तरह बदल सकता है। यहां बात देश के ईंधन की बचत को लेकर है, तो माननीय उच्च न्यायालय ने सारी संभावनाएं खोल दीं। यानी अदालत परिसर की पार्किंग अब वाहनों की भीड़ से अलग नजर आएगी, क्योंकि वाहनों की पूलिंग होगी तथा कई कर्मचारी घर से ही फाइल देखेंगे। वर्क फ्रॉम होम के दिशा निर्देश अपना कर अदालत से पहले लोकभवन ने भी अपने कदम फिजूल की गाडियों से नीचे उतारे हैं। पेट्रोल की फिजूल खर्ची को सामाजिक समर्थन मिला है या राज्य के संसाधन भी इस दिशा में आचार संहिता दर्ज नहीं करते। कारों की पूलिंग के लिए अगर सामाजिक सहमति बन जाए, तो देश के आर्थिक रास्ते आसान हो जाएंगे। हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्य में परिवहन के अर्थ, निजी वाहनों को तरजीह देने लगे हैं। नतीजतन छोटे रास्तों पर दूरी मापना कठिन होता जा रहा है। शिमला की सडक़ों पर अनेकों वाहन पार्क होते हैं, क्योंकि यही ठिकाना अब शहरी तरक्की का हो गया है। कमोबेश हर शहर और गांव की हस्ती में निजी वाहनों की तादाद बढ़ते-बढ़ते अब परिवहन का तनाव बन गई है, जबकि दूसरी ओर हिमाचल में बढ़ते ट्रैफिक जॉम न केवल ईंधन का अत्यधिक खर्च कर रहे हैं, बल्कि प्रदूषण बढ़ाने में सहायक हैं। ऐसे में हर शहर में वाहनों की तादाद को रोकने की नीति व योजना होनी चाहिए। हिमाचल सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रेरित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, फिर भी सबसे अधिक व्यय पेट्रोलियम उत्पादों पर ही हो रहा है। प्रदेश में वाहन खरीद की बाकायदा आचार संहिता होनी चाहिए।

कुछ अलग

गूगल के ज्ञानी विद्वान

आंखों देखा हमेशा सच नहीं होता। हम कहते हैं पिछले दशक में हमने अभूतपूर्व तरक्की कर ली। दुनिया की ग्यारहवीं आर्थिक महाशक्ति से पहले पांचवीं, फिर चौथी और अब तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जाने की घोषणाओं के करीब आ गए। वे हमारे कानों में दिन-रात ढोल बजाते हैं, कि जब आजादी के सौ साल पूरे करोगे, तो अपना राष्ट्र पूर्णतः विकसित राष्ट्र बन जाएगा। कोई हैरानी न होगी कि यह देश दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बन जाए, अमरीका और चीन को पछाड़ कर। हम फटी जेबों और सस्ते राशन पर पलती अपनी दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के साथ यह घोषणा सुन कर इतरा सकते हैं, लेकिन असली क्या है, और नकली क्या है, कुछ पता नहीं चलता क्योंकि इसके साथ ही पता चलता है कि यहां औसत आदमी की जेब तलाशो तो वह एशिया में ग्यारहवें स्थान पर है। लोगों की खुशहाली जांचने जाओ, तो हमारे पड़ोसी देश भी हमसे आगे नजर आते हैं, कि जिनके आर्थिक रूप से जर्जर होने की घोषणा हम न जाने कब से कर रहे हैं। अभी पिछले दिनों प्रसन्नता सूचकांक निकला, तो पता लगा कि सबसे अधिक अप्रसन्न और अस्वस्थ देशों में से हम भी एक हैं। कामकाज का सूचकांक निकला तो पता चला कि देश की आधी आबादी बिना काम के बैठी है। आज भी घर और खेत में काम करती औरतों को उनकी मेहनत का भुगतान नहीं मिलता, कि 'भई घर का काम है, कर रहे हो। इसके लिए वेतन क्या?' हम अपने देश को युवा देश कहते हैं, क्योंकि इसकी आधी आबादी कामकाज योग्य आयु कोष्ठक में है, लेकिन यथा समय यथोचित काम न मिलने के कारण बुढ़ा गई है। क्यों न अब अपने देश को हम असमय बूढ़े हो गए लोगों का देश कह दें।

दृष्टि कोण

घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं?

मुंबई के लिए मुसीबत बने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को पुलिस और प्रशासन ने करारा सबक सिखाकर देश की आर्थिक राजधानी को बड़ी राहत दिलाई है। बांद्रा रेलवे स्टेशन के पास गरीब नगर इलाके में पश्चिम रेलवे द्वारा चलाया जा रहा अब तक का सबसे बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान न केवल रेलवे भूमि को मुक्त कराने की दिशा में अहम कदम साबित हुआ, बल्कि इस कार्रवाई ने यह भी उजागर कर दिया कि किस तरह अवैध कब्जाधारी कानून व्यवस्था को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटते। कार्रवाई के दौरान पुलिस और रेलवे अधिकारियों पर जमकर पत्थरबाजी की गई, जिससे एक बार फिर यह सवाल खड़ा हो गया कि देश के किसी भी हिस्से में अतिक्रमण हटाने या अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलते ही इन घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों के पास अचानक इतने पत्थर कहां से आ जाते हैं? उल्लेखनीय है कि पश्चिम रेलवे ने बांद्रा रेलवे स्टेशन के निकट गरीब नगर में फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है। यह मुंबई में रेलवे की अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई मानी जा रही है। रेलवे के अनुसार लगभग पांच हजार दो सौ वर्ग मीटर भूमि को खाली कराया जा रहा है, जिसकी कीमत करीब छह सौ करोड़ रुपये आंकी गई है। यह इलाका हार्बर लाइन की पटरियों और बिजली व्यवस्था के बेहद करीब पहुंच चुका था, जिससे रेल संचालन और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक यहां कई बहुमंजिला झुग्गियां फुटओवर पुलों की ऊंचाई से भी ऊपर तक बना दी गई थीं। इससे भविष्य की रेलवे परियोजनाओं और ट्रेनों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही थी। रेलवे लंबे समय से इस भूमि को खाली कराना चाहता था, क्योंकि बांद्रा स्टेशन और बांद्रा कुर्ला परिसर के पास स्थित यह इलाका रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस मामले में कानूनी प्रक्रिया वर्ष 2017 से पहले शुरू हो चुकी थी। सार्वजनिक परिसर अधिनियम के

तहत कार्रवाई करते हुए 27 नवंबर 2017 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय तक पहुंचा। इस वर्ष 29 अप्रैल को उच्च न्यायालय ने अवैध अतिक्रमण हटाने की अनुमति दी थी। बाद में उच्चतम न्यायालय ने भी इस आदेश पर रोक नहीं लगाई। इसके बाद प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी। पश्चिम रेलवे ने करीब पांच सौ झुग्गियों को हटाने के लिए चिन्हित किया, जबकि संयुक्त सर्वेक्षण में पात्र पाए गए लगभग एक सौ ढांचों को फिलहाल नहीं छुआ गया। रेलवे का कहना है कि भविष्य में इस जमीन का उपयोग उपनगरीय और लंबी दूरी की रेल सेवाओं के विस्तार के लिए किया जाएगा। कार्रवाई को सफल बनाने के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। करीब चार सौ पुलिसकर्मी, चार सौ रेलवे सुरक्षा बल और सरकारी रेलवे पुलिस के जवान तथा लगभग दो सौ रेलवे अधिकारी और कर्मचारी तैनात किए गए। बांद्रा स्टेशन और बांद्रा टर्मिनस के आसपास कई रास्तों को बंद कर दिया गया, जिससे भारी यातायात जाम लग गया और यात्रियों को सामान लेकर पैदल चलना पड़ा। शुरुआत में कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन दूसरे दिन दोपहर बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। अधिकारियों ने जब एक अवैध मस्जिद और वहां लगाए गए निजी दूरसंचार टावर को हटाने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक टीमों पर पत्थर, बर्तन और अन्य सामान फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

एस्टन विला 30 साल बाद बना यूरोपा लीग चैंपियन, फ्रीबर्ग को 3-0 से हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली

यूरोपियन फुटबाल में एस्टन विला ने 30 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए 2025-26 यूरोपा लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। बुधवार रात खेले गए फाइनल मुकाबले में एस्टन विला ने जर्मनी के फ्रीबर्ग को एकतरफा अंदाज में 3-0 से हराया।

तुर्की के तुप्रास स्टेडियम में खेले गए फाइनल में एस्टन विला ने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। टीम ने लगातार गेंद पर कब्जा रखते हुए फ्रीबर्ग की मजबूत डिफेंस पर दबाव बनाया। पहले हाफ में काफी देर तक गोल नहीं हुआ, लेकिन 41वें मिनट में टीम को सफलता मिल गई।

शार्ट कार्नर पर शानदार मूव के बाद मार्गन रोजर्स ने बाक्स में क्रास दिया, जिस पर यूरी टिलेमंस ने बेहतरीन वाली लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और एस्टन विला को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के इंजरी टाइम में एमिलियानो बुएंदिया ने शानदार कर्लिंग शाट लगाकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद एस्टन विला ने मैच पर पूरी पकड़ बना ली। दूसरे हाफ के 58वें मिनट में बुएंदिया ने खतरनाक क्रास दिया, जिस पर मार्गन रोजर्स ने गोल करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया।

इसके बाद फ्रीबर्ग वापसी नहीं कर सका और एस्टन विला ने आसानी से मुकाबला जीत लिया। एस्टन विला का यह 1996 के बाद पहला बड़ा खिताब है। इससे पहले टीम ने लीड्स यूनाइटेड को हराकर लीग कप जीता था। पिछले तीन दशकों में क्लब कई बार करीब पहुंचा, लेकिन ट्राफी जीतने में सफल नहीं हो पाया था। कोच उनाई एमरी की अगुवाई में टीम ने इस सीजन शानदार प्रदर्शन किया।

लीग चरण में एस्टन विला दूसरे स्थान पर रहा और नाकआउट चरण में लिली, बोलोनिया और नाटिंघम फारेस्ट को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में यूरी टिलेमंस, मार्गन रोजर्स और एमिलियानो बुएंदिया टीम की जीत के हीरो रहे। वहीं गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने शानदार गोलकीपिंग करते हुए क्लीन शीट दर्ज की।

न्यूज ब्रीफ

साल्ट आईपीएल प्लेआफ के लिए वापसी करेंगे आरसीबी को मिली राहत

बेंगलुरु। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के आक्रामक बल्लेबाज फिल साल्ट अब चोट से उबर गये हैं और प्लेआफ मुकाबलों के लिए वापसी करने जा रहे हैं। साल्ट की वापसी की उम्मीद से आसीबी के खेमे में उत्साह का माहौल है। साल्ट टीम के लिए इसलिए बेहद अहम है क्योंकि वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर टीम को तेज शुरुआत देते हैं। लीग के शुरुआती मैचों के दौरान ही उंगली की चोट के कारण वह इलाज के लिए इंग्लैंड लौट गये थे पर अब वह दौरान में शामिल होने जा रहे हैं। आरसीबी प्लेआफ में पहुंच गयी है और ऐसे में उसे अब साल्ट जैसे बल्लेबाज की जरुरत है। नाकआउट चरण के दबाव भरे मैचों में साल्ट जैसे अनुभवी खिलाड़ी का होना टीम के लिए लाभदायक रहेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार साल्ट इस सप्ताह आरसीबी कैंप से जुड़ने के बाद अपनी फिटनेस पर काम करना शुरू कर देंगे। उनके प्लेआफ मुकाबलों तक पूरी तरह से मैच फिट होने की पूरी संभावना है। इस सत्र में चोटिल होने से पहले साल्ट शानदार फार्म में थे। उन्होंने लीग में खेली गई 6 पारियों में कुल 202 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 33.66 और विध्वंसक स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा था। साल्ट ने इस सीजन में दो शानदार अर्धशतक भी लगाये थे। विराट कोहली के साथ उनकी आक्रामक जोड़ी ने आरसीबी को कई मैचों में तेज और मजबूत शुरुआत दी जिससे टीम के लिए जीत हासिल करना आसान रहा। साल्ट की नहीं होने पर इंग्लैंड के ही बल्लेबाज जैकब बेटेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी दी गयी थी पर वह असफल रहे। बेटेल ने 7 मैचों में केवल 96 रन बनाए हैं, उनका औसत 13.71 और स्ट्राइक रेट 124.67 का रहा। वहीं आरसीबी के नियमित कप्तान रजत पाटीदार की भी टीम में वापसी हुई है।

साल 2032 तक 15 अरब डालर की हो जाएगी हर आईपीएल टीम : रिपोर्ट

मुंबई। एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रत्येक टीम 2032 तक 15 अरब डालर के चौंका देने वाले मूल्यांकन तक पहुँच जाएगी, जो दुनिया की सबसे मूल्यवान स्पोर्ट्स लीग, नेशनल फुटबाल लीग (एनएफएल) को कड़ी चुनौती देगी। 2008 में अपनी स्थापना के बाद से, आईपीएल ने अभूतपूर्व वृद्धि देखी है और अब यह दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन चुकी है, जिसने वैश्विक खेल परिदृश्य में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि आईपीएल की मौजूदा राजस्व वृद्धि दर इसे एनएफएल के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए तैयार कर रही है। जहाँ 2008 में एक आईपीएल टीम का औसत मूल्य मात्र 0.1 अरब डालर था, वहीं 2026 में यह आंकड़ा 1.8 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। यह तीव्र वृद्धि आईपीएल को मूल्यांकन के मोर्चे पर एनएफएल के साथ अंतर को काफी कम करने की स्थिति में ला रही है। तुलनात्मक रूप से, 2008 में एनएफएल फ्रैंचाइजी का औसत मूल्य 1 अरब डालर था, जो 2026 में 7.1 अरब डालर और 2032 तक 29.8 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। इसके बावजूद, आईपीएल की विकास दर बताती है कि यह दुनिया की सबसे धनी खेल लीगों में से एक बनने की राह पर है।

केकेआर से मिली हार के बाद हार्दिक पंड्या बोले ,अगर मैं या तिलक थोड़ी देर और टिकते तो मैच जीत सकते थे

कोलकाता। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हार के बाद माना कि उनकी टीम लगभग 20 रन कम बना सकी। हार्दिक का मानना है कि अगर वह या तिलक वर्मा में से कोई एक बल्लेबाज थोड़ी देर और क्रीज पर टिक जाता, तो मुंबई के पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। मुंबई इंडियंस की टीम पावरप्ले में ही 46 रन पर 4 विकेट गंवा चुकी थी। पूरी पारी में टीम की आठ साझेदारियों में से छह 20 रन से कम की रहीं। मुंबई ने 147 रन बनाए, जिसे केकेआर ने सात गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने कहा, हम लगभग 20 रन पीछे रह गए। पावरप्ले में हमने काफी विकेट गंवा दिए थे। अगर तिलक वर्मा या मैं थोड़ा और समय तक बल्लेबाजी करते और एक-दो अच्छी साझेदारियां हो जातीं, तो अतिरिक्त 15-20 रन मिल सकते थे। तब हमारे पास मुकाबला जीतने का अच्छा मौका होता। हार्दिक और तिलक दोनों ही मध्य ओवरों में धीमी बल्लेबाजी करते नजर आए। हार्दिक ने 27 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि तिलक वर्मा ने 32 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली। आईपीएल इतिहास में यह उन पारियों में सबसे खराब स्ट्राइक रेट में से एक रहा, जब नंबर 5 और 6 के बल्लेबाजों ने कम से कम 20-20 गेंदें खेली हों।

चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की रेस से बाहर गुजरात टाइटंस ने एकतरफा मुकाबले में दी मात

अहमदाबाद: चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएगी। सीजन के अपने आखिरी मैच में सीएसके को गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार मिली। 14 मैचों के बाद सीएसके के 12 पॉइंट ही हैं। टीम 7वें स्थान से ऊपर नहीं बढ़ पाएगी। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 89 रनों से जीत मिली। यह रनों से आईपीएल में सीएसके की सबसे बड़ी हार है। पहले बैटिंग करते हुए गुजरात ने 4 विकेट पर 229 रन बनाए। सीएसके की पारी 14 ओवर में 140 रनों पर सिमट गई। 14 मैच के बाद गुजरात टाइटंस के 18 पॉइंट हो गए हैं। टीम अभी टेबल में दूसरे नंबर पर है।

गिल और सुदर्शन के बीच शतकीय साझेदारी

टॉस हारने के बाद पहले खेलने उतरी जीटी के लिए कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने एक बार फिर शानदार शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की। शुभमन गिल 37 गेंदों पर 3 छक्के और 7 चौकों की मदद से 64 रन बनाकर आउट हुए। साई सुदर्शन और जोस बटलर ने दूसरे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी की। साई सुदर्शन ने 53 गेंदों पर 4 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 84 रन की पारी खेली। वह दूसरे विकेट के रूप में आउट हुए। सुदर्शन के 14 मैचों में 638 रन हो गए हैं और उनके पास फिर से ऑरेंज कैप चली गई है।

जोस बटलर ने 27 गेंद पर 57 रन ठोके

जोस बटलर ने भी शानदार अर्धशतक लगाया। वह 27 गेंदों पर 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 57 रन बनाकर नाबाद रहे। राहुल तेवतिया बिना खाता खोले रन आउट हुए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर 3 गेंदों पर 7 रन बनाकर आउट हुए। अंशुल कंबोज एक बार फिर महंगे रहे। कंबोज ने 4 ओवर में 56 रन लुटाए और सिर्फ 1 विकेट ले सके। स्पेंसर जॉनसन ने 4 ओवर में 47 रन देकर 1 विकेट लिए। गुरजपनीत ने अच्छी गेंदबाजी की और 4 ओवर में सिर्फ 31 रन दिए, लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सका।

सीएसके ने पावरप्ले में ही चार विकेट खोए

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को पहली ही गेंद पर संजू सैमसन (0) के रूप में बड़ा झटका लग गया। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने मैथ्यू शॉर्ट के साथ दूसरे विकेट के लिए 13 गेंदों में 29 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन कप्तान के आउट होने के बाद टीम बिखर गई। इसी ओवर में उर्विल पटेल भी खाता खोले बिना आउट हो गए। तीनों ही विकेट मोहम्मद सिराज ने किए। शॉर्ट को पावरप्ले के आखिरी ओवर में कागिसो रबाडा ने आउट कर दिया। उन्होंने 14 गेंदों में 1 छक्के और 3 चौकों के साथ 24 रन की पारी खेली। इनके अलावा, कार्तिक शर्मा ने 19 रन बनाए।

टीम ने 63 के स्कोर तक अपने 5 विकेट खो दिए थे। यहां से शिवम दुबे ने डेवाल्ड ब्रेविस (8) के साथ 21 गेंदों में 53 रन की साझेदारी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। दुबे 17 गेंदों में 4 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 47 रन बनाकर आउट हुए। विपक्षी खेमे से मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और राशिद खान ने 3-3 विकेट हासिल किए।

आईपीएल 2026 : कार्तिक त्यागी पर्पल कैप की दौड़ में पांचवें स्थान पर पहुंचे, भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) जैसी बड़ी टीमों के लिए इस सीजन कोई बल्लेबाज या गेंदबाज लगातार सुर्खियों में नहीं रहा, लेकिन अब केकेआर के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने शानदार प्रदर्शन से पर्पल कैप की रेस में बड़ी छलांग लगा दी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में कार्तिक त्यागी ने 2 विकेट लेकर पर्पल कैप तालिका में पांचवां स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने तिलक वर्मा का अहम विकेट लिया, जबकि पारी की आखिरी गेंद पर दीपक चाहर को आउट कर सीजन में अपने विकेटों की संख्या 18 तक पहुंचा दी। सीजन की शुरुआत में कार्तिक त्यागी का प्रदर्शन शांत रहा था, लेकिन अब वह केकेआर के लिए लगातार मैच जिताऊ गेंदबाजी कर रहे हैं। कोलकाता ने पिछले सात मुकाबलों में छह जीत दर्ज कर प्लेआफ की उम्मीदें मजबूत की हैं।

पर्पल कैप तालिका

पर्पल कैप की सूची में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भुवनेश्वर कुमार 24 विकेट के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के कागिसो रबाडा 21 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अंशुल कंबोज 20 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि राजस्थान रायल्स (आरआर) के जोफ्रा आर्चर और कार्तिक त्यागी दोनों के 18-18 विकेट हैं। हालांकि बेहतर इकानमी रेट (9.14) के कारण आर्चर चौथे और त्यागी पांचवें स्थान पर हैं। त्यागी की इकानमी 9.42 रही है।

वहीं, केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने मुंबई के खिलाफ 1 विकेट लेकर सिर्फ 13 रन दिए। उनके नाम इस सीजन 14 विकेट हैं, लेकिन 6.40 की इकानमी के साथ वह इस सीजन के सबसे किफायती गेंदबाज बने हुए हैं।

आरेंज कैप तालिका

आरेंज कैप की दौड़ में बुधवार को कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी फील्डिंग के दौरान चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके, जबकि मुंबई इंडियंस के रयान रिकेल्टन केवल 6 रन ही बना पाए।

गेल के का रिकार्ड तोड़ सकते हैं सूर्यवंशी : कुंबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आईपीएल के इस एक सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाने का वेस्टइंडीज के बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ सकते हैं। वैभव ने इस सत्र में अबतक 53 छक्के लगाये हैं और उन्हें क्रिस गेल के 2012 में लगाए गए 59 छक्कों के रिकार्ड को तोड़े के लिए सात छक्के और लगाने हैं। हैरानी की बात ये है कि वैभव अभी केवल 15 साल के हैं। वैभव कितने आक्रामक तरीके से खेलते हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में केवल 38 गेंदों में 93 रन बना दिये थे ओर इस दौरान 10 छक्के लगाये थे। कुंबले ने कहा, 15 साल के इस बल्लेबाज ने इस आईपीएल सत्र में अभी तक ही 53 छक्के लगा दिए हैं जो हैरानी की बात है। एक सत्र में सबसे ज्यादा 59 छक्के लगाने के गेल के रिकार्ड को वह इसी सत्र में तोड़ सकते हैं। कुंबले ने वैभव की तकनीकी क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा, बहुत कम बल्लेबाज कवर के ऊपर से इतनी आसानी से छक्के मार सकते हैं पर वैभव ने कई ऐसे छक्के लगाये हैं।

टी20 महिला विश्व कप के लिए आयरलैंड की टीम घोषित,गैबी लुईस होंगी कप्तान

नई दिल्ली

आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम ने जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए गुरुवार को अपनी टीम की घोषणा कर दी है। स्टार बल्लेबाज गैबी लुईस को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। यह पहला मौका होगा जब वह किसी वैश्विक टूर्नामेंट में आयरलैंड की कप्तानी करेंगी।

हालांकि गैबी लुईस हाल ही में लगी पैर की चोट से उबर रही हैं, जिसके कारण उन्हें पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी20 त्रिकोणीय सीरीज से आराम दिया गया है। यह सीरीज क्लानटार्फ में खेली जाएगी।

गैबी की अनुपस्थिति में आर्ला प्रेंडरगास्ट त्रिकोणीय सीरीज में टीम की कप्तानी करेंगी। विश्व कप के लिए उन्हें उपकप्तान भी बनाया गया है।

टीम संयोजन की बात करें तो तेज गेंदबाज जेन मैग्वायर चोट के कारण चयन से बाहर हो गई हैं। वहीं उनकी बहन और बाएं हाथ की स्पिनर एमी मैग्वायर चोट से वापसी करते हुए दोनों टीमों में शामिल की गई हैं।

विश्व कप के लिए आयरलैंड को इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, स्काटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ ग्रुप में रखा गया है। आयरलैंड अपनी विश्व कप अभियान की शुरुआत स्काटलैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में करेगा।

टी20 प्रारूप में आयरलैंड की रैंकिंग नौवीं है। गैबी लुईस टीम की सबसे अहम बल्लेबाज मानी जा रही हैं। वह आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर हैं। नेपाल में आयोजित टी20 विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने सात पारियों में 276 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

आर्ला प्रेंडरगास्ट महिला टी20 आलराउंडर रैंकिंग में सातवें स्थान पर हैं, जबकि एमी हंटर बल्लेबाजी रैंकिंग में 29वें स्थान पर मौजूद हैं।

महिला टी20 विश्व कप के लिए आयरलैंड टीम:

गैबी लुईस (कप्तान), आर्ला प्रेंडरगास्ट (उपकप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लारा डेलानी, जार्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पाल और रेबेका स्टोकल।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए आयरलैंड टीम:

आर्ला प्रेंडरगास्ट (कप्तान), एवा कैनिंग, क्रिस्टिना कूल्टर रीली, अलाना डैलजेल, लारा डेलानी, जार्जिना डेम्पसी, एमी हंटर, आर्लीन केली, लुईस लिटिल, एमी मैग्वायर, लारा मैकब्राइड, कारा मरे, लिया पाल और रेबेका स्टोकल।

फ्रेंच ओपन 2026 : 24 मई से रोलां गैरोस में शुरू होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली

फ्रेंच ओपन 2026 के सिंगल्स मुकाबलों को पेरिस में आयोजित किया जाएगा। इस साल फ्रेंच ओपन 24 मई से 7 जून तक रोलां गैरोस में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के ड्रा समारोह का सीधा प्रसारण फ्रेंच ओपन के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकेगा। भारत में टूर्नामेंट का प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव और फैनकोड पर उपलब्ध रहेगी।

इस बार फ्रेंच ओपन की कुल इनामी राशि में 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। कुल पुरस्कार राशि 6 करोड़ 17 लाख यूरो से अधिक रखी गई है। पुरुष और महिला एकल वर्ग के विजेताओं को 28 लाख यूरो की पुरस्कार राशि मिलेगी।

एकल वर्ग में रैंकिंग अंक

पुरुष एकल
- विजेता - 2000 अंक
- उपविजेता - 1300 अंक
- सेमीफाइनल - 800 अंक
- क्वार्टर फाइनल - 400 अंक
- चौथा दौर - 200 अंक
- तीसरा दौर - 100 अंक
- दूसरा दौर - 50 अंक
- पहला दौर - 10 अंक

महिला एकल

- विजेता - 2000 अंक
- उपविजेता - 1300 अंक
- सेमीफाइनल - 780 अंक
- क्वार्टर फाइनल - 430 अंक
- चौथा दौर - 240 अंक
- तीसरा दौर - 130 अंक
- दूसरा दौर - 70 अंक
- पहला दौर - 10 अंक

डबल्स वर्ग में रैंकिंग अंक

पुरुष युगल
- विजेता - 2000 अंक
- उपविजेता - 1200 अंक
- सेमीफाइनल - 720 अंक
- क्वार्टर फाइनल - 360 अंक

महिला युगल
- विजेता - 2000 अंक
- उपविजेता - 1300 अंक
- सेमीफाइनल - 780 अंक
- क्वार्टर फाइनल - 430 अंक

इस बार पुरुष एकल वर्ग के मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कराज चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। स्पेनिश स्टार को कलाई में चोट लगी है।

महिला एकल वर्ग में अमेरिका की कोको गाफ गत चैंपियन हैं।

पुरुष युगल में पिछले साल स्पेन के मार्सेल ग्रेनोलेर्स और अर्जेंटीना के होरेसियो जेबालोस ने खिताब जीता था।

महिला युगल में इटली की जोड़ी जैस्मिन पाओलिनी और सारा एरानी चैंपियन रही थी। सारा एरानी ने मिश्रित युगल का खिताब भी अपने हमवतन आंद्रेआ वावासोरी के साथ जीता था।

व्हीलचेयर वर्ग में ग्रेट ब्रिटेन के अल्फी हेवेट और जापान की यूई कामिजी ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब अपने नाम किए थे।

वेतन का हिस्सा म्यूचुअल फंड में, सेबी का अहम प्रस्ताव, वितरकों को भी यूनिटों में कमीशन देने की मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली

भारतीय कंपनी जगत को जल्द ही अपने कर्मचारियों के वेतन का कुछ हिस्सा सीधे म्यूचुअल फंडों की यूनिटों के रूप में देने की इजाजत मिल सकती है।

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने हाल ही में जारी एक परामर्श पत्र में कुछ खास मामलों में फंडों में थर्ड-पार्टी भुगतान की अनुमति का प्रस्ताव किया है। यह कदम कर्मचारियों के लिए बचत के नए अवसर पैदा करने और कंपनियों के लिए सामूहिक निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान में किसी निवेशक को म्यूचुअल फंड में निवेश अपने ही बैंक खाते से करना होता है, जिसका मकसद मनी लान्ड्रिंग और गलत इस्तेमाल को रोकना है। हालांकि, सेबी ने म्यूचुअल फंड सलाहकार समिति की सिफारिशों के आधार पर इस नियम में कुछ ढील देने की योजना बनाई है। एक प्रमुख प्रस्ताव के तहत, नियोक्ता अब अपने कर्मचारियों की ओर से फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। सेबी ने कहा कि यह व्यवस्था नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को विभिन्न लाभ और बचत के मौके देने की पुरानी परंपरा को मान्यता देती है। यह सुविधा सूचीबद्ध कंपनियों, ईपीएफओ में पंजीकृत फर्मों और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के लिए उपलब्ध होगी, हालांकि यह निवेश कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक रहेगा। इसके अतिरिक्त सेबी ने एएमसी को यह अनुमति देने का भी प्रस्ताव किया है कि वे अपने पैनल में शामिल फंड वितरकों को कमीशन का कुछ हिस्सा नकदी के बजाय फंडों की यूनिटों के रूप में दें। नियामक का मानना है कि इससे वितरकों को फंडों में निवेश का सुविधाजनक, अनुशासित तरीका मिलेगा और लंबी अवधि के लिए बचत और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। नियामक ने थर्ड-पार्टी भुगतान के लिए कई सुरक्षा उपाय भी सुझाए हैं, जिनमें भुगतानकर्ता और प्राप्तकर्ता के बीच संबंध की पुष्टि, बेहतर केवाईसी जांच, आडिट ट्रेल्स और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि निवेश निकासी से मिली रकम सिर्फ प्राप्तकर्ता के सत्यापित बैंक खाते में ही जमा हो। एक अन्य प्रस्ताव में, सेबी ने निवेशकों को अपने फंड निवेश या उससे मिले रिटर्न का एक हिस्सा सामाजिक कार्यों में दान करने की सुविधा देने का भी सुझाव दिया है।

न्यूज ब्रीफ

नई काम्पैक्ट एसयूवी लाने की तैयारी में महिंद्रा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा अब एक नई काम्पैक्ट एसयूवी लाने की तैयारी में है। इस अपकमिंग एसयूवी, जिसे विजन एस के नाम से जाना जा रहा है, इन दिनों काफी चर्चा में है। कंपनी को उम्मीद है कि यह नई सब-4 मीटर एसयूवी अगले साल तक बाजार में दस्तक दे सकती है। कंपनी इसे पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक तीनों वेरिएंट में पेश करने की योजना बना रही है, जिससे यह ग्राहकों को कई विकल्प उपलब्ध कराएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, विजन एस महिंद्रा के नए एनयू-आईक्यू मोनोकाक माड्यूलर प्लेटफार्म पर विकसित होने वाली पहली एसयूवी होगी। यह बहुमुखी प्लेटफार्म फ्रंट-व्हील ड्राइव और आल-व्हील ड्राइव दोनों सिस्टम को सपोर्ट करने में सक्षम होगा, साथ ही इसमें इंटरनल कंबशन इंजन और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन दोनों का विकल्प मिलेगा। कंपनी का दावा है कि इस प्लेटफार्म पर आधारित एसयूवी का ग्राउंड क्लीयरेंस 227 मिमी तक हो सकता है, जो खराब और चुनौतीपूर्ण सड़कों पर भी बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव प्रदान करेगा। नई विजन एस को स्कार्पियो परिवार का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका डिजाइन काफी बोल्ड और मस्कुलर होगा। इसमें महिंद्रा के ट्विन पीक्स लोगो वाली नई ग्रिल, वर्टिकल एलईडी लाइट्स, एल-शेप हेडलाइट्स और स्पोर्टी बंपर देखने को मिल सकते हैं। इसके अतिरिक्त, फाग लैंप का डिजाइन भी काफी अनोखा होगा।

टाटा मोटर्स कई नए माडल लान्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली। बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच टाटा मोटर्स अब कई नए माडल लान्च करने की तैयारी कर रही है। अगले छह महीने में कंपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी, फेसलिफ्ट माडल और फ्लैक्स-फ्यूल तकनीक वाली छह गाड़ियां बाजार में उतार सकती है। इन सभी में, टाटा सिएरा ईवी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। यह कंपनी की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जिसमें 55 किलोवाट और 65 किलोवाट बैटरी पैक का विकल्प मिल सकता है। बड़ी बैटरी के साथ, इसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक रहने की उम्मीद है, जो लंबी यात्राओं के लिए उपयुक्त होगी। इसमें तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड, लेवल-2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और आल-व्हील ड्राइव जैसे अत्याधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं। कंपनी अपनी लोकप्रिय कार टियागो और टिगोर को भी फेसलिफ्ट अवतार में लान्च करेगी। दोनों कारों में एक नया डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स और एक बड़ा टचस्क्रीन सिस्टम मिलेगा, जो उन्हें और अधिक आकर्षक बनाएगा। वहीं, टियागो ईवी में एक बड़ा बैटरी पैक दिया जा सकता है, जिससे इसकी ड्राइविंग रेंज में उल्लेखनीय सुधार होगा। टाटा सफारी ईवी भी कंपनी की बड़ी योजनाओं में शामिल है। यह भारत की पहली मुख्यधारा की इलेक्ट्रिक 7-सीटर एसयूवी हो सकती है।

कई नई कारें लान्च करने की तैयारी कर रही मारुति सुजुकी

नई दिल्ली

कार निर्माता मारुति सुजुकी आने वाले समय में कई नई कारें लान्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में मारुति सुजुकी कंपनी की तीन नई गाड़ियों को टेस्टिंग के दौरान एक साथ देखा गया, जिससे आटोमोबाइल बाजार में उत्सुकता बढ़ गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ये माडल ब्रेजा फेसलिफ्ट, बलेनो फेसलिफ्ट और कंपनी की नई इलेक्ट्रिक एमपीवी वाईएमसी हो सकते हैं। सबसे पहले, ब्रेजा फेसलिफ्ट की चर्चा हो रही है, जिसका डिजाइन मौजूदा माडल से मिलता-जुलता है लेकिन इसमें नया टेल लैंप डिजाइन और कनेक्टेड लाइट बार जैसी आधुनिक स्टाइलिंग देखने को मिली है। इसके अतिरिक्त, इसमें नए अलाय व्हील्स और एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी दिया जा सकता है।

बताया जा रहा है कि ब्रेजा फेसलिफ्ट में 6-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स और अंडरफ्लोर सीएनजी टैंक का विकल्प भी उपलब्ध होगा, जो इसे और भी आकर्षक बनाएगा। दूसरा माडल बलेनो फेसलिफ्ट माना जा रहा है, जिसमें एक नई रूफलाइन, अपडेटेड बंपर और बदला हुआ टेल लैंप डिजाइन देखने को मिला है। कंपनी इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन सिस्टम और बेहतर कनेक्टेड फीचर्स देने की तैयारी कर रही है, जिससे इसका इंटीरियर पहले से कहीं ज्यादा प्रीमियम और आधुनिक महसूस होगा। तीसरा और सबसे खास माडल नई इलेक्ट्रिक एमपीवी वाईएमसी है, जिसका आकार बाकी दोनों कारों से काफी बड़ा दिखाई दिया।

इसमें एक बाक्सी डिजाइन, बंद फ्रंट ग्रिल, लाइट बार और एक लंबा ग्लास एरिया देखने को मिला। माना जा रहा है कि यह कंपनी की नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी होगी, जो इलेक्ट्रिक सेगमेंट में मारुति की बड़ी पेशकश हो सकती है। इन माडलों के अलावा, कंपनी ग्रैंड विटारा पर आधारित एक नई 7-सीटर एसयूवी पर भी काम कर रही है। इस आगामी एसयूवी में पैनोरमिक सनरूफ, लेवल-2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम), 6 एयरबैग और एक हाइब्रिड इंजन का विकल्प मिल सकता है।

सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल जल्द होगा लांच

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में होंडा कंपनी अपनी लोकप्रिय मिड-साइज सेडान होंडा सिटी का फेसलिफ्ट माडल लान्च करने जा रही है। लान्च से पहले ही इसका एक नया स्पाय वीडियो सामने आया है, जिसमें कार बिना किसी कवर के दिखाई दे रही है। इससे साफ हो गया है कि नई सिटी अब डीलरशिप्स तक पहुंचने लगी है और जल्द ही ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगी, जिससे इसे खरीदने का इंतजार कर रहे लोगों में उत्साह बढ़ गया है। सामने आए वीडियो के अनुसार, नई होंडा सिटी का फ्रंट डिजाइन पहले से ज्यादा स्पोर्टी और आकर्षक बनाया गया है। इसमें नई प्रोजेक्टर एलईडी हेडलाइट्स, शार्प एलईडी डीआरएल (डे-टाइम रनिंग लाइट्स) और एक ग्लास ब्लैक फ्रंट ग्रिल दी गई है। कंपनी ने इसके बंपर को भी नया डिजाइन दिया है, जिससे कार का लुक ज्यादा आक्रामक और आधुनिक नजर आता है। कार के साइड प्रोफाइल में नए 16 इंच डायमंड-कट अलाय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसके समग्र सौंदर्य को बढ़ाते हैं। वहीं, पीछे की तरफ एलईडी टेललाइट्स के साथ बाडी कलर स्पाइलर और एक नया रियर डिफ्यूजर जोड़ा गया है, जिससे कार का पिछला हिस्सा भी स्टाइलिश दिखता है। कुल मिलाकर, नई सिटी का डिजाइन पहले से कहीं ज्यादा मार्डन और प्रीमियम दिखाई देता है। इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए हैं। इसमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड सीट्स और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स मिलने की उम्मीद है, जो ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाएंगे। इसके अलावा, एडवांस्ड कनेक्टेड कार टेक्नोलाजी और होंडा सेंसिंग एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) सेफ्टी फीचर्स भी दिए जाएंगे, जो यात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करेंगे। कार में सनरूफ, आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और लेदर सीट्स जैसी सुविधाएं पहले की तरह बरकरार रहेंगी, जो आराम और लग्जरी प्रदान करती हैं। इंजन की बात करें तो, कंपनी इसमें मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन ही देगी, जो 119 बीएचपी की पावर और 145 एनएम टार्क पैदा करता है।

बायोगैस को हाइब्रिड से अधिक प्रोत्साहन मिले: मारुति

नेट-जीरो उत्सर्जन और जैविक खाद उत्पादन के कारण बताया बेहतर

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बायोगैस से चलने वाले वाहनों को हाइब्रिड वाहनों की तुलना में सरकार से अधिक प्रोत्साहन दिए जाने की पुरजोर वकालत की है। उन्होंने तर्क दिया कि बायोगैस वाहन नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन सुनिश्चित करते हैं और खेती के लिए उपयोगी जैविक खाद भी बनाते हैं, जो उन्हें पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए बेहतर विकल्प बनाता है।

उन्होंने देश के सामने मौजूद उस बड़ी चुनौती पर अपनी राय रखी, जिसमें भारत को भारी मात्रा में आयात किए जाने वाले जीवाश्म ईंधनों से हटकर विद्युतीकरण की ओर तेजी से बढ़ना है। उनका मानना है कि बायोगैस, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के रूप में सीधे सीएनजी का विकल्प बन सकती है या जीवाश्म ईंधन-आधारित सीएनजी के साथ भी मिलाई जा सकती है, और यह ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, खासकर मौजूदा वैश्विक तेल संकट के परिप्रेक्ष्य में। उन्होंने अफसोस जताया कि देश में बायोगैस की अपार संभावनाओं के बावजूद यह अभी तक लोकप्रिय नहीं हो पाई है। उनका कहना है कि इसकी मुख्य वजह यह है कि कंपनियों को कृषि कचरे को बायोगैस में बदलने वाले संयंत्रों में निवेश के लिए पर्याप्त प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए, उन्होंने बायोगैस से चलने वाले वाहनों को जीएसटी में अधिक छूट देने या प्रस्तावित कारपोरेट औसत ईंधन दक्षता (सीएएफई) नियमों में हाइब्रिड जैसे अन्य वाहनों की तुलना में ज्यादा छूट देने का सुझाव दिया।

400 करोड़ के पावर प्लांट भूमि घोटाले में एसआइटी जांच शुरू

कानपुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित पांच सदस्यीय विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने लगभग 400 करोड़ रुपये के बहुचर्चित पावर प्लांट भूमि घोटाले की जांच शुरू कर दी है। टीम ने पहले दिन चपरघटा स्थित विवादित स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर ग्रामीणों से पूछताछ की। अब पुलिस इस पूरे प्रकरण से जुड़े कागजात और प्रक्रिया की गहनता से पड़ताल करेगी। यह घोटाला 2011 में चपरघटा में थर्मल पावर प्लांट लगाने के बजाय, गुरुग्राम की हिमावत पावर प्राइवेट लिमिटेड और उसकी सहयोगी कंपनी लैंको अनपरा पावर लिमिटेड द्वारा 2332 एकड़ जमीन पर 1500 करोड़ रुपये का ऋण लेने से संबंधित है। आरोप है कि कंपनियों ने स्वयं को दिवालिया घोषित कर दिया। बैंकों ने जमीन नीलाम कर 1100 करोड़ रुपये वसूल लिए, लेकिन शेष 400 करोड़ रुपये कंपनियों ने कथित तौर पर हड़प लिए और ऋण लेकर कोई काम भी नहीं किया। इस मामले में भोगनीपुर तहसीलदार प्रिया सिंह ने तत्कालीन एडीएम भूमि-अध्याप्ति कानपुर नगर ओके सिंह, संबंधित कंपनियों के अधिकारियों और केनरा, पंजाब नेशनल व आइडीबीआइ बैंक की गुरुग्राम स्थित शाखाओं के कर्मियों व अधिकारियों पर मूसानगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआइटी का गठन किया था। टीम ने भूमि अधिग्रहित करने वाले कुछ किसानों से भी बातचीत कर जानकारी जुटाई।

अब दुनिया तक आसानी से पहुंचेगा कच्चा तेल, यूएई का प्लान, होर्मुज स्ट्रेट की जरुरत नहीं होगी

दुबई

ईरान युद्ध के चलते दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल आपूर्ति मार्ग होर्मुज स्ट्रेट पर संकट लगातार गहराता जा रहा है। इस बीच भारत के रणनीतिक साझेदार और अरब मित्र देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने वैश्विक तेल बाजार को सुरक्षित करने की दिशा में एक बड़ा दावा किया है। यूएई का नया वेस्ट-ईस्ट आयल पाइपलाइन प्रोजेक्ट करीब 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस बेहद महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य होर्मुज स्ट्रेट को बायपास करना है, ताकि भविष्य में खाड़ी क्षेत्र में तनाव या युद्ध की स्थिति होने पर भी दुनिया भर में कच्चे तेल की सप्लाई बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

यूएई की सरकारी तेल कंपनी एडनाक के प्रमुख सुल्तान अल जाबेर ने वैश्विक ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक हालात ने यह साबित कर दिया है कि दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति कुछ चुनिंदा चोक पाइंट्स (संकीर्ण समुद्री मार्गों) पर बहुत ज्यादा निर्भर है, जो कि बेहद जोखिम भरा है। इसी खतरे को भांपते हुए यूएई ने वर्षों पहले एक ऐसे बुनियादी ढांचे के निर्माण पर काम शुरू किया था, जो होर्मुज जलडमरूमध्य के बिना भी तेल निर्यात को सुचारू रख सके। यह नया पाइपलाइन प्रोजेक्ट तेल को सीधे फुजैराह पोर्ट तक पहुंचाएगा, जो ओमान की खाड़ी के किनारे स्थित है और भौगोलिक रूप से सीधे अरब सागर से जुड़ा हुआ है। इसके पूरी तरह चालू होने से यूएई को होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश किए बिना ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक तेल भेजने की सीधी सुविधा मिल जाएगी। एडनाक के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य साल 2027 तक फुजैराह पोर्ट के जरिए अपनी तेल निर्यात क्षमता को दोगुना करना है। वर्तमान में यूएई के पास एडकाप पाइपलाइन पहले से मौजूद है, जो प्रतिदिन लगभग 18 लाख बैरल कच्चा तेल ट्रांसफर कर सकती है, लेकिन मौजूदा समुद्री तनाव को देखते हुए इस नेटवर्क को और अधिक मजबूत किया जा रहा है।

सुल्तान अल जाबेर ने चेतावनी दी है कि यदि आज दुनिया ने समुद्री व्यापार की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं की, तो आने वाले वर्षों में इसके गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मौजूदा युद्ध के दौरान यूएई पर 3,000 से अधिक मिसाइल और ड्रोन हमले किए गए, जिनमें उनकी तेल सुविधाएं भी निशाने पर थीं। इसके साथ ही उन्होंने ओपेक से बाहर निकलने के यूएई के फैसले को एक रणनीतिक और संप्रभु निर्णय बताया। उनके अनुसार, आने वाले समय में एआई जैसी तकनीकों के कारण ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ेगी और ऊर्जा सुरक्षा ही भविष्य की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी लड़ाई होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमज़ा ...

जिसके बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। हमजा बुरहान को 2019 के पुलवामा आतंकी हमले से जुड़ा एक प्रमुख चेहरा माना जाता है। इस हमले में 40 से ज्यादा सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। यह हमला जैश-ए-मोहम्मद द्वारा किया गया था, जिसमें एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी कार को सीआरपीएफ काफिले से टकरा दिया था। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने साल 2022 में हमजा बुरहान को आधिकारिक रूप से आतंकवादी घोषित किया था। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार वह लंबे समय से आतंकी गतिविधियों और भर्ती नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। फिलहाल हमजा बुरहान की मौत को लेकर आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत जांच जारी है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस हमले के पीछे कौन लोग हैं और इसका मकसद क्या था।

मुस्लिम पक्ष ...

अधिनियम की मूल भावना के विपरीत है। हिंदू पक्ष ने निर्णय आने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल की थी। मुस्लिम पक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने की आशंका के बीच हिंदू पक्षकारों ने पहले ही सर्वोच्च न्यायालय में कैविएट याचिका दायर कर दी है। इसमें अपील की गई है कि हिंदू पक्ष का पक्ष सुने बिना कोर्ट कोई भी एकतरफा आदेश पारित न करे।

फलता में...

दरअसल, इस सीट पर दोबारा चुनाव कराने की एक बड़ी वजह थी। पिछले महीने 29 अप्रैल को जब यहां मुख्य मतदान हुआ था, तब ईवीएम में बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ और गड़बड़ियां देखने को मिली थीं। हंगामा इतना बढ़ गया था कि चुनाव आयोग को वहां का मतदान रद्द करना पड़ा। इसके बाद ही आयोग ने गुरुवार को यहां दोबारा यानी री-पोलिंग कराने का फैसला लिया, ताकि जनता को अपना सही नेता चुनने का मौका मिल सके।

पिछली गड़बड़ी से सबक लेते हुए इस बार चुनाव आयोग ने सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए थे। फलता विधानसभा के सभी 285 मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती पिछली बार के मुकाबले दोगुनी कर दी गई थी। जहां पिछले महीने हुए चुनाव में हर बूथ पर सिर्फ 4 जवान तैनात थे, वहीं इस बार केंद्रीय सुरक्षा बल के 8-8 जवानों को मोर्चे पर खड़ा किया गया था। शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग कराने के लिए केंद्रीय बलों की करीब 35 कंपनियां लगाई गई थीं और किसी भी गड़बड़ी से निपटने के लिए 30 क्विक रिस्पॉन्स टीमें लगातार गश्त कर रही थीं। इसी सख्ती की वजह से कहीं से भी किसी हंगामे की खबर नहीं आई और पूरी वोटिंग शांति से निपट गई। सुरक्षा के अलावा इस सीट पर राजनीतिक हलचल भी कम नहीं रही।

'कॉकरोच' ...

उसके बाद ही वो चुनाव चिह्न मांग सकती है। अब बात कॉकरोच की। एक रजिस्टर्ड पार्टी ईसीआई के सामने अपनी पसंद के 3 नए चिह्न भी प्रस्ताव कर सकती है। लेकिन 1968 के चुनाव चिह्न आदेश में एक साफ नियम है कि नया चिह्न किसी पक्षी या जानवर जैसा नहीं होना चाहिए। कॉकरोच एक जानवर है, इसलिए यह नियम सीजेपी के रास्ते में आता है। हालांकि यह भी दिलचस्प है कि ईसीआई यह तय करेगी कि वो तिलचट्टे को जानवर की श्रेणी में रखती है या नहीं। यही सबसे बड़ा मोड़ है इस पूरे मामले में। यह नियम 1991 से लागू है। उस समय पशु अधिकार कार्यकर्ता ने शिकायत की थी कि चुनाव प्रचार के दौरान असली जानवरों को घुमाया जाता है और उन पर जुल्म होता है। 2012 में ईसीआई ने पार्टियों को कहा भी था कि चुनाव प्रचार में जानवरों का इस्तेमाल न करें। इसीलिए नए जानवर वाले चिह्न देना बंद कर दिए गए। लेकिन जो पुरानी पार्टियां पहले से ऐसे चिह्न लेकर बैठी थीं जैसे बीएसपी का हाथी और फॉरवर्ड ब्लॉक का शेर, उन्हें छूट मिली हुई है। मोबाइल फोन के बारे में भी सीजेपी को झटका लग सकता है। सीजेपी ने कहा है कि उसका चुनाव चिह्न मोबाइल फोन होगा। लेकिन ईसीआई की मुफ्त प्रतीक की सूची में मोबाइल फोन है ही नहीं। सूची में लैंडलाइन फोन और मोबाइल चार्जर जरूर हैं, पर मोबाइल फोन का नाम नहीं है। कुल मिलाकर, सीजेपी अभी सिर्फ सोशल मीडिया पर चमक रही है। चुनाव की दुनिया में आना इतना आसान नहीं होगा, और तिलचट्टे का चिह्न लेना तो और भी मुश्किल है।

राज्यसभा की...

और मत्स्य पालन मंत्रालय में राज्य मंत्री जॉर्ज कूरियन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल भी 21 जून को समाप्त हो रहा है। माना जा रहा है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रवनीत सिंह को पार्टी दोबारा राज्यसभा भेज सकती है। वहीं कूरियन को केरल चुनाव के मद्देनजर सरकार में लाया गया था। अब देखना होगा कि बीजेपी उन्हें फिर से राज्यसभा भेजती है या नहीं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में इन दोनों मंत्रियों का बना रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि वे फिर से राज्यसभा में आते हैं या नहीं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 22 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर

श्रीकृष्ण बाल लीला, गौ-सेवा और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने वाले प्रसंगों का वर्णन

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सांवरिया सेठ भक्त मण्डल हैदराबाद-सिकंदराबाद तेलंगाना के तत्वावधान में राधाकृष्ण धाम श्रृंग ऋषि भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह के पंचम दिवस की कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला, दिव्य चरित्र, गौ-रक्षा, गौ-सेवा और भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण करने वाले प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया।

व्यास पीठ से संत श्री हरिरामजी शास्त्री का संदेश

व्यास पीठ पर विराजमान विश्व प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक संत श्री हरिरामजी शास्त्री ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन करुणा, सेवा और धर्म की रक्षा का संदेश देता है। गायों के प्रति उनका अटूट प्रेम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। भगवान श्रीकृष्ण ने बाल्यावस्था से ही ग्वाल-बालों और गायों के साथ रहकर गौ-सेवा को अपना धर्म बनाया। वृंदावन में श्रीकृष्ण स्वयं गायें चराते थे, उनके नाम रखते थे और उनके सुख-दुःख का पूरा ध्यान रखते थे। गोवर्धन पर्वत उठाने का प्रसंग भी गौ-रक्षा का ही प्रतीक है, जहाँ भगवान ने इंद्र के प्रकोप से ब्रज की गायों और ग्वालों की रक्षा की। इससे यह संदेश मिलता है कि जब धर्म, प्रकृति और निरीह प्राणियों की रक्षा की बात आती है, तो ईश्वर स्वयं आगे आते हैं। पंचम दिवस की कथा में यह भी बताया गया कि श्रीकृष्ण केवल गायों के ही नहीं, बल्कि अपने भक्तों के भी सच्चे रक्षक हैं। प्रिय मित्र सुदामा, द्रौपदी, गोपियाँ और ब्रजवासी ¯ इन सभी के जीवन प्रसंग इस बात का प्रमाण हैं कि भगवान अपने भक्तों-मित्रों की निष्काम भक्ति से प्रसन्न होकर मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं। मित्रता धर्म के निर्वाह हेतु सुदामा की दरिद्रता दूर करना, विपत्ति में द्रौपदी का चीरहरण पर चीर बढ़ाकर लाज बचाना और गोपियों को प्रेम का परम मार्ग दिखाना, ये सभी घटनाएँ बताती हैं कि सच्ची भक्ति कभी व्यर्थ नहीं जाती।

महाराज श्री ने कहा कि गौ माता केवल एक पशु नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म की आधारशिला है। गाय के संरक्षण से ही समाज में सात्विकता, शांति और समृद्धि आती है। श्रीकृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि गौ-सेवा केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का भी प्रतीक है।वर्तमान समय में पंचम दिवस की कथा से हमें कई महत्वपूर्ण शिक्षाएँ मिलती हैं। आज जब समाज में हिंसा, स्वार्थ और प्रकृति के दोहन की प्रवृत्ति बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण का गौ-प्रेम हमें करुणा और संतुलन का मार्ग दिखाता है। हमें गौ-रक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, पशु-पक्षियों के प्रति दया और समाज के कमजोर वर्गों की सेवा को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए। यदि मनुष्य श्रीकृष्ण के बताए मार्ग, भक्ति, सेवा और धर्म पर चलने लगे, तो व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर सुख-शांति स्थापित हो सकती है। पंचम दिवस की कथा श्रोताओं के लिए केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली अमूल्य शिक्षा बनकर सामने आई। भगवान कृष्ण के छप्पन भोग के भजनों से सभी श्रदालु झूम उठे और अंत में भागवत की आरती करके सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।शुक्रवार को कथा के छठे दिन कंस वध, रासलीला, उद्धव गोपी संवाद और श्री कृष्ण-रुक्मणी विवाह धूमधाम से मनाया जाएगा। दोपहर 4 बजे फीलखाना स्थित नवग्रह मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण की बारात गाजे-बाजे के साथ राधाकृष्ण धाम पहुँचेगी, जहाँ पर रुक्मणी संग ठाकुरजी का विवाह संपन्न होगा।

भारतीय योग संस्थान द्वारा संजीविया पार्क में मोटापा रोग निवारण शिविर जारी

पांच दिवसीय निःशुल्क योग शिविर के दूसरे दिन 120 साधकों ने लिया भाग

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय योग संस्थान, तेलंगाना पूर्व जिला-4 के तत्वावधान में सिकंदराबाद स्थित संजीविया पार्क केंद्र में आयोजित पांच दिवसीय मोटापा रोग निवारण शिविर का गुरुवार को द्वितीय दिवस सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिविर में 120 साधकों ने भाग लेकर योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।

20 मई से 24 मई तक प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित किए जा रहे इस निःशुल्क शिविर में विशेषज्ञ योग शिक्षकों द्वारा मोटापा नियंत्रण से संबंधित विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा संतुलित दिनचर्या के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

शिविर में विशेषज्ञों ने बताया कि मोटापा केवल शरीर का बढ़ा हुआ वजन नहीं, बल्कि यह आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि गलत समय पर भोजन करना, बिना भूख के खाना, अनियमित नींद, देर रात तक जागना, शारीरिक श्रम में कमी तथा अत्यधिक स्क्रीन टाइम आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुके हैं, जो मोटापे का प्रमुख कारण हैं।

विशेषज्ञों ने योग को आत्मनियंत्रण और संतुलित जीवन का माध्यम बताते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से मोटापे पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

संजीविया पार्क केंद्र में प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से 7:30 बजे तक नियमित निःशुल्क योग शिविर का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें प्रतिदिन 60 से 70 साधक लाभान्वित हो रहे हैं।

आयोजकों ने सभी नागरिकों से इस निःशुल्क साधना शिविर में भाग लेकर स्वस्थ जीवन अपनाने तथा व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य को सफल बनाने का आह्वान किया।

शिवराज सिंह चौहान ने भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का किया दौरा

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, हैदराबाद में संचालित श्री अन्न अनुसंधान पहलों, प्रौद्योगिकी प्रसार, उद्यमिता विकास, तथा आधारिक संरचना विस्तार की गतिविधियों की समीक्षा के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 21 मई 2026 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संस्थान के मुख्य भवन के पास एक पौधा लगाकर वृक्षारोपण किया, जो पर्यावरण स्थिरता एवं जलवायु लचीली कृषि को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने संस्थान में निर्माणाधीन श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र के निर्माण-कार्यों की समीक्षा भी की, जिसका प्रयोजन वैश्विक स्तर पर श्री अन्न अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रसार, मूल्यवर्धन, उद्यमिता विकास एवं हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करना है।

श्री सिंह ने संस्थान के परिसर में आयोजित एक प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों, संस्थान के द्वारा प्रवर्तित एफपीओ के प्रतिनिधियों, कृषि-नवोद्यमियों, उद्यमियों तथा श्री अन्न हितधारकों के साथ चर्चा की। प्रदर्शनी में श्री अन्न की उन्नत किस्में, श्री अन्न आधारित मूल्यवर्धित उत्पाद, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, नई मशीनों, नवोद्यमी नेतृत्व वाले उद्यमी मॉडलों तथा श्री अन्न की खेती, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन एवं व्यावसायिकरण के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। अपने संबोधन में शिवराज सिंह चौहान ने सर्वप्रथम कहा कि यह हमारे लिए गर्व का क्षण है कि हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ), रोम के द्वारा उनकी लोक कल्याण एवं उनके कार्यकाल के दौरान उपज बढ़ाने, खाद्य सुरक्षा मजबूत करने एवं किसानों की आजीविका सुधार हेतु उनकी प्रतिबद्धता के लिए महत्व-पूर्ण एग्रीकोला पुरस्कार प्रदान किया गया है। लंबे समय से अनदेखा किए जा रहे मिलेट को भी पीएम नरेन्द्र मोदी के द्वारा ही श्री अन्न नाम देकर उनके गुणों के संबंध में पूरे विश्व को जागरूक किया गया, ताकि 1. जलवायु परिवर्तन के दौरान भी किसानों की सुनिश्चित आजीविका, 2. जीवनशैली संबंधी विकारों से परेशान लोगों को उत्तम स्वास्थ्य, जैसे दोहरे लाभ उठा सकें। श्रीचौहान ने कहा कि किसान समुदायों के लिए पोषण सुरक्षा, सतत खेती, जलवायु परिवर्तन में बढ़ोतरी क्षमता तथा बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने में श्री अन्न की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने श्री अन्न की खपत बढ़ाने, प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन आधारिक संरचना को मजबूत करने एवं श्री अन्न से जुड़े व्यवसाय में एफपीओ, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और ग्रामीण युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने पर जोर दिया। माननीय मंत्री ने अनुसंधान, नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा उद्यमिता विकास में माध्यम से श्री अन्न को बढ़ावा देने में सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया, जिसका प्रयोजन किसानों की आय बढ़ाना और ग्रामीण रोजगार पैदा करना है। उन्होंने श्री अन्न क्षेत्र में अनुसंधान, उद्यमिता तथा किसान-केंद्रित विकास पहलों को आगे बढ़ाने में भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के योगदान की सराहना की।

डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, जनजातीय उप-योजना, अनुसूचित जाति उप-योजना, पूर्वोत्तर पहाड़ी क्षेत्र कार्यक्रम, किसान उत्पादक संगठन प्रवर्तन पहलों तथा महर्षि कार्यक्रम संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

श्री शिवराज सिंह चौहान के इस दौरे से श्री अन्न से संबद्ध किसानों, किसान उत्पादक संगठनों, कृषि-नवोद्यमियों, महिला उद्यमियों, वैज्ञानिकों तथा हितधारकों के आत्मविश्वास को बल मिला है।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना से प्रभावित होकर जुड़े रामलाल कुमावत, किया गया स्वागत अभिनंदन

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रामलाल कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस समर्पण, सेवा भावना और अपनत्व के साथ समाजहित में कार्य कर रहा है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जहां लोग स्वयं तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर समाज में एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।

कार्यक्रम में नए सदस्य के रूप में उपस्थित रामलाल कुमावत लारना का राधे-राधे ग्रुप परिवार में शामिल होने पर श्री राधे-राधे नाम का दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान वातावरण राधे-राधे के जयघोष से भक्तिमय और उत्साहपूर्ण हो उठा।

रामलाल कुमावत ने भावुक शब्दों में कहा कि उन्हें इस सेवा कार्य से जुड़ने की प्रेरणा उनके बड़े भाई भाकर राम कुमावत से मिली, जो लगातार राधे-राधे ग्रुप के नियमित अन्नदान कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि आज उन्हें भी इस सेवा परिवार का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने राधे-राधे ग्रुप का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां सभी सदस्य परिवार की तरह एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानते हैं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, गजराज श्रीश्रीमाल जैन, भगत राम गोयल, महेश अग्रवाल, गुरबीर सिंह मक्कड़, सुरेश डालमिया, प्रीतिका अग्रवाल, रामलाल कुमावत एवं रवीना कुमावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बीईएल में पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, औद्योगिक परिसर, नाचारम, हैदराबाद में स्थित रक्षा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम में, 21 मई 2026, शुक्रवार, को पूर्ण दिवसीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। हिंदी में दैनिक काम काज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का नगर स्थित हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय के सहायक निदेशक श्री अनुप कुमार द्वारा संचालन किया गया । अधिकारियों एवं कर्मतारियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 60 अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए और हिंदी से जुड़े अनेक नए पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियम, राजभाषा कार्यान्वयन वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्य, हिंदी व्याकरण एवं भाषा संबंधी अनेक संदेह की पुष्टि करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी कर्मचारी इस कार्यशाला से लाभान्वित हुए। राजभाषा टीम, बीईएल, ने सभी को कार्यक्रम में भाग लेने पर सराहना व्यक्त की और हिंदी के प्रगामी प्रगति में सभी का दायित्व एवं सहयोग की अपेक्षा जताई।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ग्रीष्मकालीन शिविर जारी

हनुमान चालीसा, श्लोक पाठ और शिक्षाप्रद गतिविधियों से बच्चों में दिखा उत्साह

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का छठा दिन चेयरमैन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में उत्साह एवं धार्मिक वातावरण के बीच सम्पन्न हुआ।

शिविर की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ एवं बच्चों द्वारा श्लोक वाचन के साथ की गई। बच्चों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया।

मेंटर श्रीमती शालिनी जी ने बच्चों को लिपट आर्ट की जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया। बच्चों ने रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नई कला सीखने में रुचि दिखाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. दीपक अग्रवाल ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सेंट्रल वर्किंग प्रेसिडेंट नरेंद्र गोयल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नाश्ते की व्यवस्था नरेंद्र गोयल द्वारा की गई। शिविर को सफल बनाने में सेंट्रल ऑफिस की शीतल अग्रवाल के साथ शीतल रूंगटा, रानी मित्तल, सुमन गुप्ता, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सांची, पायल, काशवी एवं भूमि का विशेष सहयोग रहा।

पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों में उत्साह एवं आनंद का वातावरण देखने को मिला।

श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी बढ़ाई, एक जून से नई वेतन संरचना होगी लागू: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को राज्य के श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में बड़ी वृद्धि की घोषणा करते हुए कहा कि एक जून 2026 से लागू होने वाली नयी वेतन संरचना से लगभग 1.11 करोड़ श्रमिक लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्रमिकों के वेतन से जुड़े मुद्दों की समीक्षा के लिए उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू की अध्यक्षता में मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित की गयी थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर यह निर्णय लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार की उपेक्षा के कारण श्रमिकों को नुकसान उठाना पड़ा और वर्तमान सरकार ने श्रमिक कल्याण के हित में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

श्री रेड्डी ने कहा कि सरकार ने श्रमिकों को अकुशल, अर्द्धकुशल, कुशल और अत्यधिक कुशल सहित चार श्रेणियों में विभाजित किया है। साथ ही राज्य को वेतन निर्धारण के लिए नगर निगम, नगरपालिका और ग्रामीण क्षेत्र सहित तीन क्षेत्रों में बांटा गया है।

संशोधित वेतन संरचना के अनुसार अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम मासिक वेतन 12,750 रुपये से बढ़ाकर 16,000 रुपये कर दिया गया है। अर्द्धकुशल श्रमिकों का वेतन 13,152 रुपये से बढ़ाकर 17,000 रुपये किया गया है।

इसी प्रकार, कुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 13,772 रुपये से बढ़ाकर 18,500 रुपये कर दिया गया है, जबकि अत्यधिक कुशल श्रमिकों को अब न्यूनतम 20,000 रुपये मासिक वेतन मिलेगा, जो पहले 14,607 रुपये था।

श्री रेड्डी ने इस फैसले को तेलंगाना गठन के बाद श्रमिकों के पक्ष में लिया गया पहला बड़ा निर्णय बताते हुए राज्य सरकार की ओर से श्रमिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रम मंत्री जी. वेंकटस्वामी के नेतृत्व में श्रमिक कल्याण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

श्री रेड्डी ने युवाओं से यह सोच बदलने का भी आग्रह किया कि अवसर केवल सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र या विदेशों, विशेषकर अमेरिका, में ही उपलब्ध हैं। उन्होंने कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि जर्मनी, जापान और सिंगापुर जैसे देशों में तकनीकी रूप से दक्ष युवाओं के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और कौशल आधारित करियर को प्रोत्साहित करने के लिए कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की है।

रेवंत रेड्डी ने की महिला आरक्षण मामले पर संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को केंद्र सरकार से विधायिका में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाये जाने की मांग की। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन संसद में महिला आरक्षण कानून का समर्थन करने के लिए तैयार है। श्री रेड्डी ने कहा कि विधायी निकायों में महिला आरक्षण को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस दृष्टिकोण की भावना के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने स्थानीय निकायों में आरक्षण के माध्यम से महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की बात कही थी। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे का राजनीतिकरण करने के खिलाफ भी आगाह किया और इस कानून का समर्थन करने के लिए सभी दलों की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री रेड्डी ने दिवंगत राजीव गांधी के योगदान को याद करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने भारत में सूचना प्रौद्योगिकी की शुरुआत की और उदारीकृत नीतियों के माध्यम से देश को विकास की राह पर आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, यह राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने देश में प्रौद्योगिकी के युग की शुरुआत की और भारत को विकास के पथ पर अग्रसर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए राजीव गांधी के आदर्शों का पालन कर रही है।

रेवंत ने अनधिकृत फ्लेक्स बोर्डों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिये

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में बिना सोचे-समझे बड़े पैमाने पर लगाए जा रहे फ्लेक्स बैनरों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अनधिकृत फ्लेक्स बोर्डों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं और शहर में रात की गश्त बढ़ाने को कहा है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को राज्य भर में पुलिसिंग के स्तर को सुधारने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से मानसून के मौसम के दौरान बरसाती नालों और मैनहोलों के रख-रखाव के लिए पुलिस विभाग, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, जल बोर्ड और हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी के बीच समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया। सेवा से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए श्री रेड्डी ने सुझाव दिया कि उपनिरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) के पद से लेकर भारतीय पुलिस सेवा के गैर-संवर्ग अधिकारियों को उनकी पदोन्नति के बाद दो साल तक अन्य विभागों में सेवा देनी चाहिए। मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को इस प्रस्ताव का अध्ययन कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पुलिस विभाग के सभी वाहनों को धीरे-धीरे बिजली से चलने वाले वाहनों (इलेक्ट्रिक वाहनों) में बदला जाना चाहिए। आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए श्री रेड्डी अधिकारियों को 15 जून तक अग्निशमन विभाग को मजबूत करने पर एक व्यापक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया और घटना के बाद की कार्रवाई के बजाय निवारक उपायों की आवश्यकता पर बल दिया।

इंस्टिट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट, राजेंद्रनगर में एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में भाग लेते हुए डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव ऑफिसर प्रसन्ना कुमारी, पीपी, महेश बैंक वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, डायरेक्टर इनचार्ज श्याम कुमार एवं अन्य...।

सेवा और समर्पण की भावना से समाज में नई प्रेरणा दे रहा है राधे-राधे ग्रुप : मोहित अग्रवाल

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मोहित अग्रवाल ने कहा कि सेवा और समर्पण की भावना से राधे-राधे ग्रुप जो कार्य कर रहा है, वह वास्तव में हम सभी के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है और ग्रुप के सभी सदस्य तन, मन और धन से इस सेवा अभियान में निरंतर जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और मानवता का संदेश भी दे रहा है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा युवा पीढ़ी को भी समाजसेवा के लिए प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, पन्नालाल अग्रवाल, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा, मोहित अग्रवाल एवं स्वास्ति अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बेगम बाजार स्थित महेश्वरी भवन में भीलवाड़ा निवासी प्रमुख भागवताचार्य श्री सूर्यप्रकाश जी सिखवाल (भीलवाड़ा) द्वारा भागवत कथा के अवसर पर सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना द्वारा महाराज जी, साथीगण व आयोजनकर्ता महिला समिति का शॉल व माला द्वारा सम्मान करते हुए रामदेव नागला, नरेश पांडिया, नटवरलाल व्यास, दिनेश पांडिया, दिपावत व रामेश्वरलाल जोशी, लक्ष्मीनारायण ओझा एवं अन्य।

शहीद स्मारक के उद्घाटन में देरी पर सरकार को चेतावनी

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की प्रमुख के. कविता ने गुरुवार को कुथबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के गंडीमैसम्मा जंक्शन पर पार्टी का झंडा फहराया और तेलंगाना रक्षा सेना ध्वज उत्सव अभियान की शुरुआत की। सुश्री कविता ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ध्वज उत्सव अभियान 20 जून तक चलेगा और उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी जीएचएमसी क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी और भविष्य में कुथबुल्लापुर विधानसभा सीट जीतेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुथबुल्लापुर में लगभग 20 साल पहले निर्मित तेलंगाना शहीद स्मारक का उद्घाटन अभी तक नहीं हुआ है।

SHED on RENT
FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.
Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा-अर्चना एवं आरती सम्पन्न

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में बुधवार को इच्छापूर्ति गणेशजी की विधिवत पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। पूजा एवं आरती में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, दीपक कुमार सरायवाला, अशोक लाखोटिया, विजय कुमार अग्रवाल, एडवोकेट सेसैया पी.सी. जैन, रामू भाई, महेश कुमार डकोटिया, अशोक कुमार सरायवाला, राहुल सिंघल, पीवीआर मूर्ति, शर्मा जी, राहुल देशपांडे, विजय कुमार थंबी एवं आरती सिंघानिया सहित अनेक श्रद्धालु शामिल हुए।

सरकारी स्कूल के टॉपर विद्यार्थियों को साइकिलें भेंट

बांसवाड़ा, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर के सिटी सेंटर स्थित सरकारी विद्यालय जेडपीए-चएस हाई स्कूल की टॉपर छात्रा बायरिपोटागौड़ कुमारी बायरी भावना को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि पर सम्मानित किया गया। छात्रा ने 548 अंक प्राप्त कर बांसवाड़ा शहर के सरकारी स्कूलों में सर्वाधिक अंक हासिल किए।

इस अवसर पर कोनेरू चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से छात्रा को प्रोत्साहन स्वरूप साइकिल भेंट की गई। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने छात्रा की उपलब्धि की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विद्यालय के हेडमास्टर विजय कुमार, शिक्षक चंद्रमोहन एवं पुरुषोत्तम सहित ट्रस्ट टीम के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करने से अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर भाजपा नेता कोनाला गंगारेड्डी, तृप्ति शिवप्रसाद, चीकटलो राजू, वाज पाई, थोटा शंकर, एमुला नवीन, अलापति हरिकृष्णा, गोवरु रमेश सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह और विद्यार्थियों के सम्मान से सराबोर रहा।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों को दिया आमंत्रण

हैदराबाद, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत भारती संस्था द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार, 31 मई को नामपल्ली स्थित नुमाइश मैदान में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम एवं लोक डायरो के लिए विभिन्न समाज प्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, सहमंत्री डॉ. सीमा जैन, गुजराती ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधि हिरेन पटेल, प्रवीण जिमिलिया तथा मंगलहाट पुलिस इंस्पेक्टर राघवेंद्र सहित कई प्रमुख लोगों को कार्यक्रम में पधारने का निमंत्रण दिया गया।कार्यक्रम के संयोजक जसमत पटेल, संजय घनाते, आले भास्कर, तरुण मेहता एवं अन्य पदाधिकारियों ने विभिन्न समाजों एवं संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोक डायरो एवं सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित विशेष आयोजन किए जाएंगे।

येल्लैया तालाब में अवैध खुदाई रोकने की मांग को लेकर विपक्षी पार्षदों का धरना

बांसवाड़ा, 21 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा नगर निगम के विपक्षी पार्षदों ने गुरुवार को विभिन्न नागरिक समस्याओं को लेकर आरडीओ कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने आरडीओ को एक ज्ञापन सौंपकर शहर में चल रही कथित अनियमितताओं पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। पार्षदों ने अपने ज्ञापन में मांग की कि बांसवाड़ा शहर स्थित येल्लैया तालाब में हो रही गैर-कानूनी खुदाई को तुरंत रोका जाए। उन्होंने कहा कि नियमानुसार टेंडर प्रक्रिया अपनाकर खुदाई कराई जानी चाहिए, ताकि नगर निगम को राजस्व प्राप्त हो सके और पारदर्शिता बनी रहे। ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि शहर में अवैध लेआउट विकसित किए जा रहे हैं तथा नालों पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। विपक्षी पार्षदों ने कहा कि कई स्थानों पर बफर ज़ोन छोड़े बिना प्लॉटिंग की जा रही है और बिना अनुमति के निर्माण कार्य जारी हैं, जिससे भविष्य में नागरिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। पार्षदों ने आरडीओ से मांग की कि अवैध निर्माण और अतिक्रमण के मामलों को तत्काल प्रभाव से रोका जाए तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.